रांची, शुक्रवार
22.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 169, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के 11 जिलों में तापमान पहुंचा 40 डिग्री के पार

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में इन दिनों मौसम आग उगल रहा है। स्थिति यह है कि राज्य के 11 जिलों में अधिकतम तापमान बढ़कर 40 डिग्री या उससे अधिक पहुंच गया है। राज्य के जिन जिलों में तापमान 40 डिग्री है उससे अधिक रिकॉर्ड किया गया है उनमें गढ़वा 44 डिग्री,चतरा में 44 डिग्री, डाल्टनगंज 43.4 डिग्री, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में 42, सरायकेला में 42 डिग्री, गुमला, रामगढ़ और बोकारो में 40 डिग्री, गिरिडीह में 40 डिग्री और सिमडेगा में 40 डिग्री शामिल है। इधर, मौसम विभाग ने 23 और 24 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी और मध्यवर्ती जिलों में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

फाल्टा में पुनर्मतदान शांतिपूर्ण, करीब 88 प्रतिशत मतदान : चुनाव आयोग

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को हुए पुनर्मतदान में करीब 88 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे तक चला। चुनाव आयोग के अनुसार मतदान प्रतिशत 87.90 रहा और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। किसी भी इलाके से हिंसा या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ की कोई बड़ी शिकायत नहीं मिली। आयोग ने मतदान शांतिपूर्ण ढंग और पारदर्शिता से संपन्न कराने के व्यापक प्रबंध किये थे। इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 285 मतदान केन्द्र बनाये गये थे जहां मतदाताओं ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान किया। इस क्षेत्र में कुल 2.36 लाख मतदाता हैं। इनमें 1,21,300 पुरुष, 1,15,135 महिला और नौ उभयलिंगी मतदाता शामिल हैं।

इबोला के चलते भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन स्थगित

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ ने अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला के प्रकोप को देखते हुए दिल्ली में 28 से 31 मई तक प्रस्तावित चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है। इसकी नई तारीख आपसी विचार-विमर्श के बाद घोषित की जाएगी। अफ्रीकी संघ के साथ संयुक्त बयान में विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

झारखंड में 27 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा स्थित पुलिस मुख्यालय में गुरुवार को एक साथ 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन माओवादियों ने बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस भी पुलिस को सौंपे हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 25 और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो सदस्य शामिल हैं। इनमें आठ पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन सभी के खिलाफ कुल 426 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। इन्होंने आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी पुलिस को सौंपा है। इनमें लाइट मशीन गन (एलएमजी), 5 इंसास राइफल, 9 एसएलआर राइफल, एक बोल्ट-एक्शन राइफल, एक

पिस्टल, 31 मैगजीन, 3000 राउंड जिंदा कारतूस शामिल हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत जो भी सुविधाएं और सहायता देनी होगी, उसे सुनियोजित तरीके से पूरा किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), झारखंड जगुआर और सभी खुफिया एजेंसियों ने मिलकर लगातार अभियान चलाया, जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी तरह संयुक्त और व्यापक अभियान जारी रहेगा, ताकि झारखंड पूरी तरह नक्सल मुक्त बन सके।

अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक ने कहा कि आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि 27 माओवादी मुख्यधारा में लौट रहे हैं। इन्होंने हिंसा और हथियार का रास्ता छोड़कर शांति और विकास का रास्ता चुना है, जिसका स्वागत है। सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह ने कहा कि आज का यह आत्मसमर्पण झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और कोबरा जवानों की लगातार मेहनत और जोखिम भरे अभियानों का परिणाम है। पिछले छह महीनों में सुरक्षा बलों ने जंगलों के भीतर 21 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए, जिससे नक्सलियों की गतिविधियों पर काफी अंकुश लगा।

इन माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

गादी मुंडा उर्फ गुलशन (निवासी- बुण्डू, रांची), 5 लाख रुपये का इनाम घोषित और चाईबासा, सरायकेला, रांची, खूंटी में कुल 48 मामले दर्ज।- नागेंद्र मुंडा उर्फ प्रभात मुंडा उर्फ मुखिया (निवासी- अड़की, खूंटी), 5 लाख रुपये का इनाम, चाईबासा और सरायकेला में 38 मामले दर्ज।- रेखा मुंडा उर्फ जयंती (निवासी- बुण्डू, रांची), 5 लाख का इनाम, चाईबासा और सरायकेला में 18 मामले दर्ज।- सागेन आंगारिया उर्फ दोकोल (निवासी- गोइलकेरा, चाईबासा), 5 लाख का इनाम, चाईबासा में 123 मामले दर्ज।- करण तियू (निवासी- गोइल केरा, चाईबासा), 2 लाख रुपये का इनाम, चाईबासा में 29 मामले दर्ज।- दर्शन उर्फ बिंज हांसदा (निवासी- छोटानगरा, चाईबासा), 5 लाख का इनाम, चाईबासा में 14 मामले दर्ज।- सुलेमान हांसदा उर्फ सुनी हांसदा (निवासी- छोटानगरा, चाईबासा), 5 लाख का इनाम, चाईबासा में 13 मामले दर्ज।- बासुमती जेराई उर्फ बासू (निवासी- किरीबुरू, चाईबासा), एक लाख रुपये का इनाम, चाईबासा में 14 मामले दर्ज।- बैजनाथ मुंडा (निवासी- तमाड़, रांची), चाईबासा में 4 मामले दर्ज।- रघु कायम उर्फ गुणा (निवासी- मुफसिल, चाईबासा), चाईबासा में 19 मामले दर्ज।- किशोर सिरका उर्फ दुर्गा सिरका (निवासी- टोंटो, चाईबासा) चाईबासा में 11 मामले दर्ज।- राम दयाल मुण्डा (निवासी- तमाड़, रांची), सरायकेला और चाईबासा में कुल 4 मामले दर्ज।- वंदना उर्फ शांति, सुनिता सरदार, डांगुर बोइपाई, बसंती देवगम, मुन्नीराम मुण्डा, अनिशा कोड़ा उर्फ रानी, सपना उर्फ सुरू कालुंडिया, सुसारी उर्फ दसमा कालुंडिया, बिरसा कोड़ा उर्फ हरिसिंह, नुअस, बुमली तियू, निति माई उर्फ निति हेंब्रम और लादू तिरिया। इन सभी के ऊपर चाईबासा और अन्य थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जेजेएमपी संगठन के दो सदस्य

जेजेएमपी संगठन के दो सदस्यों ने भी अत्मसमर्पण किया है। इनमें गुमला के अपर घाट का रहने वाला सचिन बैक और कलिगा का रहने वाला श्रवण शामिल है। सचिन बैक पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था और गुमला में उसके खिलाफ छह मामले दर्ज हैं। श्रवण गोप के खिलाफ गुमला में 8 मामले दर्ज हैं।

विजय मंत्रिमंडल का विस्तार : तमिलनाडु में करीब 60 साल बाद सरकार में कांग्रेस की वापसी, दो विधायक बने मंत्री

एजेंसी

चेन्नई। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए दो कांग्रेस विधायक सहित 23 सदस्यों को और इसमें शामिल किया। इसके साथ ही तमिलनाडु में करीब 60 साल बाद कांग्रेस की सरकार में वापसी हुई है। शपथ ग्रहण समारोह लोक भवन में आयोजित किया गया, जहां राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

टीवीके के विधायक श्रीनाथ, एस. कमाली, सी. विजयलक्ष्मी और आर.वी. रंजितकुमार ने सबसे पहले मंत्री पद की शपथ ली। किल्लियूर से कांग्रेस के विधायक एस. राजेश कुमार और मेलूर से निर्वाचित पी. विश्वनाथन ने भी मंत्री पद की शपथ ली। तमिलनाडु के लिए कांग्रेस के प्रभारी गिरीश चोडणकर ने कहा कि पार्टी विधायकों का मंत्रिमंडल में शामिल होना राज्य के राजनीतिक इतिहास

में एक अहम घटनाक्रम है।

उन्होंने एक न्यूज एजेंसी से कहा, कांग्रेस कार्यकर्ता पिछले 59 वर्षों से सत्ता में हिस्सेदारी के लिए संघर्ष कर रहे थे और पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ काम कर रहे थे। अब उन्हें इसका अवसर मिला है। करूर से कांग्रेस सांसद जोतिमणि ने एक बयान में कहा, 59 साल बाद कांग्रेस पार्टी के दो सदस्यों ने तमिलनाडु मंत्रिमंडल में जगह बनाई है। यह कांग्रेस के लिए हर्ष का क्षण है। बड़े भाई विश्वनाथन और छोटे भाई राजेश कुमार को हार्दिक बधाई। उम्मीद है कि यह जिम्मेदारी तमिलनाडु की जनता की उत्कृष्ट सेवा का बड़ा अवसर बनेगी।

कांग्रेस समर्थकों ने सोशल मीडिया पर भी इसका स्वागत किया कि पार्टी विधायकों को 21 मई को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया, जो पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि भी है। कुल 23 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें तीन महिला विधायक भी शामिल हैं। विजय के करीबी मित्र और तूतिकोरिन विधानसभा सीट से निर्वाचित श्रीनाथ ने सबसे पहले मंत्री पद की शपथ ली। मोहम्मद फरवास जे. और एन. मैरी विल्सन अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं।

शपथ ग्रहण के दौरान राज्यपाल आर्लेकर ने कांग्रेस नेता राजेश कुमार को टोका और कहा कि वह केवल लिखित शपथ तक ही सीमित रहें। दरअसल, शपथ पढ़ते समय राजेश कुमार ने अचानक कांग्रेस नेताओं कामराज, राजीव गांधी और राहुल गांधी के नाम का उल्लेख किया, जिस पर राज्यपाल ने कहा, यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है।

मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही तमिलनाडु में करीब छह दशक बाद कांग्रेस की सरकार में वापसी हुई है क्योंकि द्रविड़ दलों द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने कभी अपने सहयोगी दलों को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं दी। इनमें कांग्रेस भी शामिल है, जिसने अलग-अलग समय पर दोनों दलों के साथ गठबंधन किया था।

तमिलनाडु में कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री एम. भक्तवत्सलम थे, जिन्होंने 1963 से 1967 तक मुख्यमंत्री पद संभाला था। तब इस राज्य को मद्रास कहा जाता था। स्वतंत्र भारत की पहली गैर-कांग्रेस सरकार 1967 में द्रविड़ नेता एवं द्रमुक संस्थापक सी.एन. अन्नादुरई ने बनाई थी।

उन्होंने तत्कालीन सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। टीवीके के शीर्ष नेता एवं लोक निर्माण तथा खेल विकास मंत्री आधव अर्जुन ने बुधवार को कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री विजय ऐसा चाहते हैं।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की मैराथन बैठक, विकसित भारत 2047 विजन पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा से लौटने के तुरंत बाद एक्शन में दिखे। गुरुवार शाम उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता की और सभी मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्टकार्ड की समीक्षा की।

गुरुवार को सेवा तीर्थ में शाम करीब 5 बजे शुरू हुई उच्चस्तरीय बैठक लगभग साढ़े चार घंटे तक चली। मैराथन बैठक में शासन सुधार, प्रशासनिक दक्षता और सरकार के दीर्घकालिक विकसित भारत 2047 विजन पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक के दौरान करीब 09 मंत्रियों ने अपने मंत्रालयों के कामकाज की विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया। इसके साथ कई मंत्रियों के काम काज की समीक्षा भी की गई। साथ ही सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समन्वय और भविष्य की रणनीति को लेकर मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श भी किया गया। इसमें मंत्रियों के पिछले कामकाज का लेखा-जोखा और दो साल के रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा की गई। विशेषकर पश्चिम एशिया में मौजूदा हालत को देखते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों, विकास परियोजनाओं और भविष्य के रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच देशों की यात्रा के निष्कर्ष से सभी मंत्रियों को अवगत कराया। विदेश यात्रा पर होने के कारण इस बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा मौजूद नहीं थे। बाकी तकरीबन सभी कैबिनेटमंत्री, राज्य मंत्री मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक एक साल बाद बुलाई है। इससे पहले पिछले साल यानी 2025 में यह बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक के बाद मंत्रिमंडल में फेर बदल के कयास तेज हो चली है। माना जा रहा है कि अगले महीने मंत्रीमंडल में फेरबदल संभव है।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन को दी श्रद्धांजलि

न्याय प्रणाली को आरोपितों से ज्यादा पीड़ितों को प्राथमिकता देनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि न्याय प्रणाली को आरोपितों से ज्यादा पीड़ितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने 49 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े के मामले में 53 एफआईआर को एक साथ करने से इनकार करते हुए ये टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि हर धोखाधड़ी का मामला अलग होता है और पीड़ितों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने पूछा कि ऐसे अपराधों के पीड़ितों के अधिकारों का क्या होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि क्या यह सही होगा कि आपके अपराध के पीड़ित अलग-अलग जगहों से सिर्फ आरोपित की सुविधा के लिए एक ही जगह आएं।

शिक्षा मंत्री को हटाए जाने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा: राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने पर कहा कि जब तक सरकार शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाती तब तक कांग्रेस रुकेगी नहीं। ऐसे बल प्रयोग से वह लोग डरने वाले नहीं हैं।

राहुल गांधी ने गुरुवार को राजस्थान कांग्रेस के प्रदर्शन करते कार्यकताओं को वाटर कैनन से

पुलिस द्वारा हटाए जाने से जुड़े के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर थे, तब देश के युवा सड़कों पर उतर कर न्याय मांग रहे थे। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक ने देश के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया। इसके चलते कई छात्रों ने अपनी जान तक गंवा दी। इसके बावजूद न ही सरकार ने जिम्मेदारी ली और न ही किसी जिम्मेदार पर कोई कार्रवाई की।

उन्होंने कहा कि आज जब कांग्रेस उन छात्रों के हक के लिए लड़ रही है तो सरकार उन पर लाठियां बरसा रही है। जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठी से देती है वो जवाबदेही से नहीं, डर से चलती है। इससे कांग्रेस डरने वाली नहीं है। जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, उनकी पार्टी रुकेगी नहीं।

उल्लेखनीय है कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता आज प्रदर्शन करते हुए भाजपा मुख्यालय के घेराव की कोशिश कर रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया। इसके बाद स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बल प्रयोग भी किया।

सरकार का दावा- देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधारित एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी बढ़कर लगभग 96 फीसदी हो गई है।

पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में मौजूदा पश्चिम एशिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त सप्लाई है। उन्होंने बताया कि देश की मांग को पूरा करने के लिए हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा रिफाइनरियों में एलपीजी का उत्पादन भी बढ़ा दिया गया है, जबकि देश में लगभग 46-47 हजार टन एलपीजी का उत्पादन हो रहा है।

सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन दिनों में 1.32 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.34 करोड़ घरेलू एलपीजी सिलेंडर डिलीवर किए गए। इनमें से

96 फीसदी डिलीवरी डीएसी कोड का इस्तेमाल करके पूरी की गई। 1 मई से अब तक कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 13,32,000 टन रही है, जबकि पिछले तीन दिनों में 23,588 टन एलपीजी बेची गई। संयुक्त सचिव ने बताया कि ऑटो एलपीजी की बिक्री 963 टन रही है, और लगभग 18.87 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए हैं। उन्होंने कहा कि कल तक 58,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने ँ३३स्त्र२://८स्त्रल्लॅ.ल्ल/वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों के कल्याण और समुद्री ऑपरेशन्स में कोई रुकावट न आए, इसके लिए विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, और पिछले 72 घंटों में किसी भी भारतीय झंडे वाले जहाज या भारतीय क्रू वाले किसी विदेशी जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है।

मुकेश मंगल ने संवाददाताओं को बताया कि डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने शुरू होने के बाद से अब तक 10,106 से ज्यादा कॉल और लगभग 22,215 ईमेल हैंडल किए हैं। इनमें से 404 कॉल और 903 ईमेल पिछले 72 घंटों में आए हैं। उन्होंने कहा कि डीजी शिपिंग के जरिए, मंत्रालय ने 3,300 से ज्यादा भारतीय नाविकों की सुरक्षित वतन वापसी में मदद की है, जिनमें से 99 नाविक पिछले 72 घंटों में वापस लौटे हैं।

अतिरिक्त सचिव ने कहा कि पूरे भारत में बंदरगाहों पर काम-काज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी भीड़भाड़ की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मध्य-पूर्व के लिए शिपिंग की दरें भी कम हुई हैं। उन्होंने बताया कि 20 फुट के एक कंटेनर की कीमत 15 अप्रैल को लगभग 2,400 अमेरिकी डॉलर थी, जो 19 मई तक घटकर लगभग 2,000 अमेरिकी डॉलर हो गई है।

होर्मुज अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग, टोल वसूली स्वीकार नहीं : ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग है और यहां किसी प्रकार की टोल व्यवस्था लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुले रहने चाहिए और उन पर किसी एक देश का नियंत्रण या शुल्क प्रणाली उचित नहीं मानी जा सकती।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका की ओर से उठाए गए कदमों का प्रभाव दिखाई दे रहा है और क्षेत्रीय गतिविधियों की करीबी निगरानी की जा रही है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज को एक स्वतंत्र समुद्री मार्ग के रूप में देखना चाहता है, जहां अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही बिना किसी अतिरिक्त बाधा के जारी रह सके। उनके अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी तरह की शुल्क व्यवस्था वैश्विक व्यापार और समुद्री नियमों से जुड़े प्रश्न खड़े कर सकती है।

मुरी में पेटीएम केवाईसी के नाम पर ठगी

बिभा संवाददाता

मुरी: सिल्ली,मुरी आसपास के क्षेत्रों में पेटीएम के सहारे ठगी करने का मामला को लेकर हिमांशु दास (22),पिता अंबुज दास,ग्राम सिद्धि,थाना जयपुर,जिला पुरुलिया निवासी को ग्रामीणों ने पकड़ कर मुरी पुलिस के हवाले किया। जानकारी के मुताबिक उक्त व्यक्ति क्षेत्र में दुकानदारों को पेटीएम की केवाईसी करने के बहाने से मोबाइल लेकर तकनीकी सहायता से लोन की राशि पेटीएम के माध्यम से दुकानदारों को डलवाता था और जब इसकी भनक दुकानदारों को उनके पेटीएम में लोन राशि की जानकारी मिलती थी तब उक्त व्यक्ति कहता था कि गलती से लोन राशि चला गया है और समझा बुझा कर लोन की राशि को वह स्वयं वापस ले लेता था और उस राशि को अपने निजी कार्य में उपयोग करता था और इधर दुकानदारों को लोन की राशि जमा करनी पड़ रही है जिससे उनका आर्थिक बोझ बढ़ने के कारण वे लोग काफी परेशान हो गए हैं। मामले को लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए पैसा वापस करने की बातें कहीं।वहीं मुरी ओ पी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने ग्रामीणों और दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि अनजान व्यक्ति और साइबर ठगो से सावधान रहें ताकि आपके साथ किसी प्रकार की ठगी ना हो सके।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति से लेन देन करने से बचे साथ ही अपना बैंक का ब्यौरा किसी दूसरे के साथ साझा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान पहुंच सकता है।

एनटीएचए के दो कैडेट्स मेंस अंडर 18 एशिया कप 2026 के लिए भारतीय टीम में शामिल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) के दो कैडेट्स, आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय का चयन आगामी मेंस अंडर 18 एशिया कप 2026 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता काकामिगाहारा, जापान में आयोजित की जाएगी। यह प्रतिष्ठित टूनार्मेंट 29 मई से 6 जून तक आयोजित किया जाएगा।

यह अंतिम चयन हाल ही में 15 मई से 20 मई तक भोपाल में आयोजित भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 18 द्विपक्षीय श्रृंखला के बाद हुआ है, जिसमें एनटीएचए के तीन कैडेट्स, जिनमें जयसन कंडुलना भी शामिल थे, प्रारंभिक 24 सदस्यीय संभावित टीम का हिस्सा बने थे। उस श्रृंखला के दौरान डिफेंस में आशीष और मिडफील्ड में प्रेमचंद के शानदार एवं उच्च स्तरीय प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनकी जगह पक्की कर दी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने कहा, एशिया कप के लिए भारतीय टीम की अंतिम 18 सदस्यीय टीम में आशीष और प्रेमचंद के चयन पर हमें बेहद गर्व है। जमशेदपुर स्थित नवल टाटा हॉकी अकादमी एक अत्याधुनिक हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है, जो हॉकी प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें निखारने के लिए समर्पित है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने आनंद मार्ग के सेवा मूलक कार्यों की प्रशंसा की

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सरायकेला विधानसभा के विधायक श्री चंपई सोरेन ने आनंद मार्ग के सेवा मूलक कार्य की प्रशंसा करते हुए आनंद मार्ग को शुभकामना संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल भारत के अलावा लगभग 180 देशों में सेवा मूलक कार्य कर रही है। इसके साथ ही जमशेदपुर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में संस्था द्वारा कई सेवा मूलक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। ऐसे कार्यों में पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से प्रत्येक गुरुवार को मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन कर लेंस लगाना, ब्लड बैंक एवं एम.जी.एम. अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन करना, डेंगू एवं कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए सिंगल डोनर प्लेटलेट डोनेट कराना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है।

संक्षिप्त खबरें

खलारी थाना के नए प्रभारी राम कुमार वर्मा का प्रभावित प्रतिरोध मंच ने किया अभिनंदन

खलारी(बिभा)।

खलारी थाना में नवपदस्थापित थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा का गुरुवार को प्रभावित प्रतिरोध मंच की ओर से आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मंच के अध्यक्ष नागेश्वर महतो के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग एवं जनसरोकारों के प्रभावी समाधान की उम्मीद जताई। इस दौरान मंच के सदस्यों ने थाना प्रभारी के साथ क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं एवं सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने, अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई करने, आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने पर विशेष बल दिया। मंच के सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द कायम रखने के लिए प्रशासन और आम लोगों के बीच आपसी तालमेल एवं सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को बेहतर सुरक्षा का माहौल मिलेगा।थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा ने भी प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करेगी। साथ ही लोगों से कानून का पालन करने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की।कार्यक्रम में मंच के संरक्षक सुनील सिंह, अशोक महतो, सोनू पांडे, राजा खान, मनोज महतो, बैगी महतो समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कैनरा बैंक चूरी शाखा में छह दिनों से कामकाज प्रभावित,खाताधारक को हो रही भारी परेशानी

खलारी(बिभा)।

कैनरा बैंक चुरी शाखा में बीते 15 मई से बैंकिंग कार्य प्रभावित होने के कारण खाताधारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार छह दिनों से बैंक का कामकाज लगभग ठप रहने से ग्राहकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले दर्जनों ग्राहक रोजाना बैंक पहुंच रहे हैं, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उनका कोई काम नहीं हो पा रहा है। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच कई लोग सुबह से लाइन में खड़े रहते हैं,इसके बावजूद उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है।बैंक में पैसे की निकासी,जमा,पासबुक अपडेट और अन्य जरूरी सेवाएं बाधित रहने से आम लोगों की दैनिक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।खाताधारकों का कहना है कि लगातार कई दिनों से बैंक का कार्य बंद रहने के बावजूद अब तक व्यवस्था पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी है।इससे बुजुर्गों, महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले ग्राहकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने बैंक प्रबंधन से जल्द समस्या समाधान की मांग की है।वहीं बैंक प्रबंधन के अनुसार, हाल ही में हुई आकाशीय बिजली की घटना में बैंक के कम्प्यूटर सिस्टम, सीपीयू, मॉनिटर और यूपीएस शॉर्ट शर्किट हो गए हैं, जिसके कारण कार्य प्रभावित हुआ है।प्रबंधन ने बताया कि तकनीकी खराबी को दूर करने का कार्य जारी है।

मानगो के पारडीह में एसबेस्टस काट कर चोरों ने किया हाथ साफ

जमशेदपुर(बिभा): मानगो के पारडीह चौक में महेश सिंह की गल्ला की दुकान मामा स्टोर में बीती रात चोरों ने दुकान की एसबेस्टस की छत को काटकर अंदर प्रवेश कर लगभग पचासी हजार रु नगद और दस हजार रु के मूल्यवान सामग्री चोरी करके फरार हो गए ।प्रतिदिन के अनुसार देर रात लगभग 11:00 बजे महेश सिंह अपनी दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे ।दुकान में बिक्री अच्छी रहने के कारण सुबह सवेरे दूध,दही एवं कच्ची सामग्री का पैसा भुगतान करने हेतु वह नगद रुपया दुकान में ही रख कर चले जाते है प्रतिदिन के अनुसार अपनी दुकान को जब उन्होंने प्रातः 6:00 बजे खोला तो देखा कि समान पूरा अस्त व्यस्त है ऊपर देखा तो दंग रह गए देखा कि चोरों ने छत काटकर दुकान में प्रवेश कर दुकान में रखे बैग में रखे हुए पचासी हजार रुपए लेकर फरार हो गए हैं महेश सिंह ने इसकी सूचना भाजपा के पूर्व नेता विकास सिंह को दिया सूचना मिलते ही विकास सिंह मामा स्टोर पहुंचकर मामले की जानकारी लेते हुए स्थानीय मानगो थाना में पूरे मामले की जानकारी देकर कार्रवाई की मांग किया ।विकास सिंह ने कहा की पूरा मानगो नशा की सामग्री और डेली लाटरी का होलसेल मंडी बना हुआ है कोई ऐसा गली मोहल्ला नहीं जहां धड़ल्ले से नशा के कारोबार नहीं हो रहा हो स्थानीय लोग जब इसका विरोध करते हैं तो नशा के कारोबार से जुड़े लोगों के गुस्से और दबंगई का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है।

ममता शर्मसार: चलती ट्रेन से मां ने दुधमुंही बच्ची को नीचे फेंका

बिभा संवाददाता

चाईबासा: चक्रधरपुर रेल मंडल से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद खौफनाक घटना सामने आई है। यहाँ हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक मां ने अपने ही डेढ़ महीने के मासूम बच्चे को चलती ट्रेन की खिड़की से नीचे फेंक दिया। इस दर्दनाक हादसे में नवजात की मौके पर ही मौत हो गई। इतना ही नहीं, महिला ने अपने तीन साल के दूसरे बच्चे को भी ट्रेन से बाहर फेंकने की कोशिश की, लेकिन सह-यात्रियों की मुस्तैदी और सतर्कता से उसकी जान बच गई। चलती ट्रेन से बच्चा फेंकने के आरोप में हिरासत में ली गई महिला और उसका रोता हुआ परिवार।

यह दिल दहला देने वाली घटना बुधवार को ट्रेन संख्या 12021 हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस में राजखरसावां और महालीमरूप स्टेशन के बीच घटित हुई। अचानक खिड़की से बच्चे को फेंका, दहल गए यात्री प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन अपनी रफ्तार में चल रही थी, तभी अचानक महिला अपनी सीट से उठी और अपनी गोद में सोए डेढ़ माह के नवजात को खिड़की से बाहर उछाल दिया। घटना इतनी तेजी से हुई कि जब तक कोच में बैठे लोग कुछ समझ पाते, बच्चा ट्रैक पर गिर चुका था।

महिला यहीं नहीं रुकी, उसने तुरंत अपने दूसरे 3 वर्षीय बच्चे को भी खिड़की की तरफ खींचकर बाहर फेंकने का प्रयास किया। लेकिन इस बार बोगी में मौजूद यात्रियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और महिला को दबोचकर बच्चे को उसकी चंगुल से बचा लिया। यात्रियों ने फौरन इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्र्) को दी और महिला व उसके पति को पकड़ कर रखा। ट्रैक किनारे मिला मासूम का शव, पसरा मातम घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ (फ्ढत्र्) और जीआरपी (त्र्फ्ढ) की टीमें तुरंत एक्शन में आईं। सिनी पोस्ट से जवानों को तत्काल मौके पर भेजा गया। पुलिस ने महालीमरूप और राजखरसावां स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर घंटों लंबा सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद झाड़ियों के पास से मासूम का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। बच्चे का शव देखते ही मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं और पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला की पहचान पश्चिम सिंहभूम जिले के मझगांव क्षेत्र की रहने वाली मुद्रावती गोप के रूप में हुई है। वहीं उसके पति का नाम शाहबुद्दीन है, जो पश्चिम बंगाल का रहने वाला है।मिली जानकारी के मुताबिक, करीब 4 साल पहले शाहबुद्दीन महिला को अपने साथ ले गया था, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली थी। शादी के बाद महिला का नाम बदलकर हसीना बेगम रख दिया गया था और दोनों हैदराबाद में रह रहे थे।

महिला के परिजनों ने पहले ही मझगांव थाने में शाहबुद्दीन के खिलाफ बेटी को भगाकर शादी करने का केस दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि पुलिस के बढ़ते दबाव के कारण यह दंपती अपने दोनों बच्चों के साथ वापस मझगांव लौट रहा था, इसी सफर के दौरान यह खौफनाक वारदात हुई।

फिलहाल आरोपी महिला को चाईबासा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर हिरासत में ले लिया गया है। जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम महिला से कड़ी पूछताछ कर रही है

करोड़ों की घोषणाएं, लेकिन खलारी थाना अब भी जर्जर गाड़ी के भरोसे

सरकार ने दिए 636 पेट्रोलिंग वाहन, फिर भी हाईटेक अपराधियों के सामने बेबस दिख रही पुलिस

विशाल कुमार

खलारी। खलारी थाना की गश्ती व्यवस्था इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है।एक ओर झारखंड सरकार राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए झारखंड पुलिस को 636 नए पेट्रोलिंग वाहनों की सौगात देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर खलारी थाना क्षेत्र में अब भी जर्जर और क्षतिग्रस्त गाड़ी के सहारे गश्त कराई जा रही है।थाना में इस्तेमाल हो रही गश्ती गाड़ी की हालत देखकर आम लोगों में नाराजगी है। वाहन की पूरी बॉडी जर्जर नजर आती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिस खुद टूटी-फूटी गाड़ी के भरोसे गश्त करेगी तो हाईटेक चोरों,बाइक गिरोह और संगठित अपराधियों पर लगाम कैसे लगेगी?लोगों का आरोप है कि आज अपराधी आधुनिक संसाधनों और तेज रफ्तार वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि पुलिस के पास ऐसी गाड़ियां हैं जो खुद सड़क पर संघर्ष करती दिखाई देती हैं। ऐसे में अपराध होने के बाद तुरंत कार्रवाई और अपराधियों का पीछा करना मुश्किल हो जाता है।स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब राज्य सरकार द्वारा सैकड़ों नए पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, तो आखिर खलारी थाना को अब तक नई गाड़ी क्यों नहीं मिली? क्या ग्रामीण और कोयलांचल क्षेत्र की सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता में नहीं है?इलाके के लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस मुख्यालय से मांग की है कि खलारी थाना को तत्काल नई और अत्याधुनिक गश्ती वाहन उपलब्ध कराया जाए, ताकि अपराध नियंत्रण के साथ आम जनता का पुलिस पर भरोसा भी कायम रह सके।

फूलोझानो वुमन एंपावरमेंट मिशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन, 100 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : महिला सशक्तीकरण एवं बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था फूलोझानो (हड्डेल्ल ऐस्त्रड्डद्धीशैल्ल३ ट्र२२ड्डल्ल हएट) द्वारा ख्याति प्राप्त स्वर्गीय डॉ. के. कार्तिक अय्यर की पुण्य स्मृति

तुलसी भवन, बिष्टुपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक एवं मानवीय पहल में शहरवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में लगभग 100 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया, था मुख्य अतिथि विधायक सविता महतो ने कार्यक्रम का किया उद्घाटन विशिष्ट अतिथियों में कुणाल सारंगी पूर्व विधायक और (प्रवक्ता, झामुमो), समाजसेवी पूर्वी घोष, डॉ. हर्षिणी, डॉ. कार्तिक अभिषेक, ऋ्लीर३ ड्ड ल्ड्डल्लड्ड४१ डॉ. रमा सुब्रमणियम, रोशनी संस्था की तरु गांधी, तुलसी भवन के सचिव डॉ. प्रसेंजीत तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्रनाथ चौबे रहे एवं राष्ट्र वादी अमरप्रीत सिंह काले जमशेदपुर से बाहर रहने के कारण उनके प्रतिनिधि के रूप में अखिलेश पांडे तथा जुगनू पांडेय सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सविता महतो ने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह दौर महिला सशक्तिकरण का है। क्योंकि पिछले कई शताब्दी के गुलामी का सबसे बुरा प्रभाव महिलाओं पर पड़ा और वे बहुत ही उपेक्षित रहीं। लेकिन आज सभी ने महसूस किया कि महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत नहीं बनाया जा सकता है। झारखंड की वीरांगना फुलो झानो को जितना राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं मिला। इसीलिए उनके त्याग और बलिदान को ध्यान में रखते हुए उनके नाम की इस संस्था की स्थापना की गई।

इस आयोजन को सफल बनाने में स्वर्गीय डॉ के के अय्यर के पुत्र जो मेदांता दिल्ली में डाक्टर हैं डॉ कार्तिक अभिषेक, उनकी पुत्रवधु डॉ हर्षिणी जो मनोचिकित्सक हैं और पुत्री डॉ उपासना जो टी एम एच में डाक्टर हैं का बहुत समर्पित योगदान रहा। संस्था की सचिव और जमशेदपुर के बौद्धिक आयोजनों की सिद्धहस्त संचालिका विदुषी, महिला विश्वविद्यालय जमशेदपुर की प्रोफेसर डॉ त्रिपुरा झा के नेतृत्व में कार्यकारिणी के सदस्य चित्र रेखा सुंडी, ऋतिक चौबे, नेयाज अहमद सुल्तान, तारिक अजीज, सांभवी कुमारी, अखिलेश सिंह एवं पवन कुमार बबलू ने कार्यक्रम के सफल संचालन में अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में समर कैंप का आगाज

बिभा संवाददाता

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में गुरुवार को दो दिवसीय समर कैंप का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निर्देशक कैलाश कुमार, सचिव श्रवण कुमार एवं शिक्षकों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद छात्रों ने उत्साह और जोश के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

समर कैंप के पहले दिन विद्यालय परिसर में बॉली-बॉल, खो-खो, बलून रेस, हिट द विकेट, मैथ रनिंग फ्रॉग रेस, होल्ड-बैलून रेस, चम्मच रेस, बिस्किट रेस एवं सेक रेस सहित कई मनोरंजक और ज्ञानवर्धक खेलों का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिताओं के दौरान बच्चों ने टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियों से उनका हौसला बढ़ाया।

विद्यालय के निर्देशक कैलाश कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले इस समर कैंप का उद्देश्य बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को निखारना है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का शारीरिक, बौद्धिक और कलात्मक विकास भी बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय द्वारा समर कैंप का आयोजन किया जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी दिनों में पेंटिंग, डांस, क्विज एवं निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताएं हाउस वाइज आयोजित की जाएंगी, जिनमें सभी छात्र-छात्राएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले सकेंगे।

प्रतियोगिताओं के प्रथम दिन के समापन पर स्कोर तालिका में ब्लू हाउस ने 75 अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। ग्रीन हाउस भी 75 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि रेड और येलो हाउस ने 25-25 अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के संकाय सदस्यों, कोचों एवं सहयोगी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद देते हुए छात्रों को आगामी कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

मुक्तेश्वर धाम हरिणा में 11 मंदिरों के निर्माण के साथ भव्य स्वरूप से श्रद्धालु होंगे लाभान्वित, विधायक ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका प्रखंड अंतर्गत झारखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मुक्तेश्वर धाम हरिणा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। मंदिर परिसर में 11 मंदिरों का निर्माण अंतिम चरण में है, वहीं पुराने काली मंदिर और शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कर उन्हें भव्य रूप दिया जा रहा है। इसको लेकर पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार ने वन विभाग के वन क्षेत्र पदाधिकारी विमद कुमार, सब बीट ऑफिसर, संवेदक एवं मंदिर समिति के सदस्यों के साथ पूरे परिसर एवं मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को शेष कार्य मेला शुरू होने से पूर्व पूरा करने का निर्देश दिया गया।

मुक्तेश्वर धाम में राम मंदिर, पार्वती मंदिर, कार्तिक मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, सरस्वती मंदिर, शनि मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, विश्वकर्मा मंदिर और गणेश मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं काली मंदिर एवं शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कर उन्हें आकर्षक और भव्य स्वरूप दिया जाएगा। मंदिर निर्माण कार्य को विशेष और पारंपरिक स्वरूप देने के लिए राजस्थान से विशेष पत्थर मंगाए गए हैं, जबकि मंदिरों की नक्काशी और निर्माण कार्य के लिए राजस्थान से ही कुशल कारीगर बुलाए गए हैं। मंदिर प्रांगण में हर वर्ष लगने वाले पांच दिवसीय मेले में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे लेकर विधायक ने समिति के साथ बैठक कर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने पर जोर दिया।

मुक्तेश्वर धाम को धार्मिक स्थल के साथ-साथ पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। लगभग 28 हेक्टेयर क्षेत्र में बायो डाइवर्सिटी पार्क बनाया जा रहा है, जहां 22 कॉटेज और ट्री हाउस तैयार होंगे। इसके अलावा झूले, पाथ-वे, पिकनिक स्पॉट और फव्वारे भी बनाए जाएंगे। हर वर्ष 14 जून से शुरू होने वाले पांच दिवसीय मुक्तेश्वर धाम मेले में झारखंड समेत चार राज्यों से करीब एक लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली अबुआ सरकार संस्कृति, परंपरा और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उनके अथक प्रयास और मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच के कारण मुक्तेश्वर धाम को राज्य सरकार की पर्यटन सूची में शामिल किया गया है तथा इसके सौंदर्यीकरण पर लगभग 23 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर धाम अब राज्य के सर्वश्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन स्थलों में अपनी पहचान बना रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान विधायक संजीव सरदार ने अधिकारियों, संवेदकों और मंदिर समिति को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मेला शुरू होने से पहले सभी निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर धाम सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि आने वाले समय में झारखंड का प्रमुख पर्यटन स्थल भी बनेगा। वहीं मुक्तेश्वर धाम के मुख्य पुजारी ने कहा कि पूर्व में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन विधायक संजीव सरदार लगातार इस धाम के विकास के लिए प्रयासरत रहे, जिसके कारण आज इसका भव्य विकास संभव हो पा रहा है।

इस दौरान मुख्य पुजारी बजरांकन दंडपात, कमिटी के दीपंकर सीट, सागर सीट, अनिरुद्ध नायक, मनोरंजन सरदार, दीपक सरदार, भरत सरदार, अचिन सरदार, सनातन सरदार आदि उपस्थित रहे.

झारखंड में 20 जून से शुरू होगी एसआईआर प्रक्रिया, घर-घर जाकर होगा सत्यापन

एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेगा : के. रवि कुमार

बिभास संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 20 जून से शुरू की जा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। प्रत्येक घर तक संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ पहुंचकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को धुर्वा स्थित निर्वाचन सदन में

मीडिया प्रतिनिधियों के लिए आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में 20 जून से 29 जून तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक मुद्रण कार्य किए जाएंगे। इसके बाद 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और सत्यापन करेंगे। इसके बाद प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को होगा। फिर 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। नोटिस पीरियड तथा दावों और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 3 अक्टूबर तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 अक्टूबर को किया जाएगा। इस विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि एक अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में नए मतदाताओं के आवेदन, दावा एवं आपत्तियां दर्ज करने के क्रम में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) द्वारा घर-घर जाकर संकलित किए जाएंगे। जिन मतदाताओं से बीएलओ का संपर्क नहीं हो पाएगा, उनके लिए विशेष कैंप भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मतदाता का नाम बिना सुनवाई के सूची से नहीं हटाया जाएगा और उन्होंने लोगों को भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व विधायक दिवंगत दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर लोवाडीह स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक स्थल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष की भांति आज हम सभी लोग यहां एकत्रित होकर दुर्गा सोरेन जी को याद कर रहे हैं। वह एक दूरदर्शी, संघर्षशील एवं जनभावनाओं से जुड़े हुए नेता थे। उनका जीवन जन कल्याण के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने अलग झारखंड राज्य की लड़ाई और वंचितों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके विचार एवं आदर्श सदैव हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे।

दुर्गा सोरेन स्मारक स्थित उनकी प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से डॉ एसपी अग्रवाल ने की शिष्टाचार मुलाकात

रांची(बिभा): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से साईं नाथ यूनिवर्सिटी, रांची के कुलपति-सह-पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स, झारखंड के अध्यक्ष प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स, झारखंड द्वारा आगामी जून माह 2026 में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर समिट में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

लंबित मांगों को लेकर जेएमएम के केंद्रीय महासचिव से मिला मनरेगा कर्मचारी संघ

रांची(बिभा)। झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मनरेगा कर्मियों की लंबित मांगों ग्रेड पे, स्थायी समायोजन एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यभर के मनरेगा कर्मियों की समस्याओं एवं आंदोलन की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। वार्ता के दौरान केंद्रीय महासचिव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री के समक्ष मनरेगा कर्मियों की मांगों को सकारात्मक रूप से रखकर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात हो कि झारखण्ड के मनरेगा कर्मी अपनी वर्षों पुरानी मांगों को लेकर विगत 12 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ का कहना है कि इससे पूर्व भी मनरेगा कर्मी कई बार लंबी अवधि तक आंदोलन एवं हड़ताल कर चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला और मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया। संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि मनरेगा कर्मी पिछले 18-19 वर्षों से अल्प मानदेय पर सेवा दे रहे हैं। बढ़ती महंगाई एवं असुरक्षित भविष्य के बीच कर्मियों के समक्ष गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट उत्पन्न हो गया है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष अनिरुद्ध पाण्डेय, प्रदेश महामंत्री विकास पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद नन्हें परवेज, प्रदेश सचिव मो० यासीन अंसारी, मनोज महतो, मो० युसूफ, रमेश बेक, मु० अनवारुल हसन, संतोषी डुंगडुंग सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मस्ती की पाठशाला समर कैंप का आयोजन, 150 बच्चों ने लिया भाग

रांची(बिभा)। श्री पाथवेज अकादमी की संचालिका पूजा बागड़िया द्वारा राजकीयकृत मध्य विद्यालय, काँटाटोली, राँची में एक दिवसीय मस्ती की पाठशाला समर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य पशुपति कुमार सिंह का विशेष सहयोग रहा। इस समर कैंप में लगभग 150 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पूजा बागड़िया ने कहा कि आज जो सुविधाएं और अवसर सक्षम बच्चों को मिलते हैं, वही अवसर समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को भी मिलने चाहिए। इसी सोच के साथ इस कैंप का आयोजन किया गया, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीख सकें और उनका आत्मविश्वास बढ़े। कैंप में बच्चों के साथ कई मजेदार खेल भी खेले गए, जिससे बच्चों ने खूब आनंद लिया। इसके अतिरिक्त बच्चों को संस्कार शिक्षा भी दी गई, जिसमें बड़ों का सम्मान करना, सच बोलना और ईमानदारी, साफ-सफाई एवं अनुशासन बनाए रखना, समय की पाबंदी तथा माता-पिता एवं गुरुजनों का आदर करने जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों के बारे में बताया गया।

ग्रामप्रधानों की तीन माह में किया जाए नियुक्ति : दीपिका

बिभा संवाददाता

रांची। पेसा कानून के तहत पारंपरिक ग्रामीण व्यवस्था के तहत तीन महीने के भीतर ग्राम प्रधानों की नियुक्ति किया जाए, ताकि आगे की ग्रामसभा की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। पारंपरिक ग्राम प्रधान और राजस्व ग्राम प्रधान को समझने की जरूरत है। पारंपरिक तरीके से ही ग्राम सभा के जरिए ग्राम प्रधान के चयन को सुनिश्चित करना है। पेसा कानून पारंपरिक ग्रामसभाओं को सशक्त बनाने वाला है। विभागीय स्तर पर इसके सफल क्रियान्वयन के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

यह बातें ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने गुरूवार को प्रोजेक्ट भवन के एनेक्सी सभागार में पंचायती राज विभाग की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी।

उन्होंने कहा कि झारखंड में 25 साल के लंबे इंतजार के बाद जिस पेसा कानून को लागू किया गया है। पारंपरिक ग्राम सभा को उनका

अधिकार दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए गांव-गांव तक पेसा नियमावली के बेहतर और मजबूत से क्रियान्वयन करने की जरूरत है। पेसा कानून के दायरे में आनेवाले जिलों के अधिकारियों को इसके लिए अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करना होगा।

मंत्री ने कहा कि यह कानून मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा-निर्देश पर लागू किया गया है, जिनका सपना था कि राज्य में पारंपरिक ग्राम व्यवस्थाओं को प्राथमिकता मिले। इस कानून को अब धरातल पर उतारने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की जरूरी है। पाण्डेय ने बताया कि देश के 10 राज्यों में पेसा कानून लागू होना था, जिनमें झारखंड का कानून सबसे बेहतर और प्रभावी माना जा रहा है। पेसा कानून को लेकर कुछ स्थानों पर भ्रम फैलाने की कोशिश हो रही है, ऐसे में सभी संबंधित लोगों को इसके प्रावधानों का गहन अध्ययन करना चाहिए। गांव के लोगों के हर सवालों और परेशानियों का जवाब पेसा नियमावली के पन्नों में दर्ज है।

मौके पर पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार ने कहा कि पेसा नियमावली लागू होने के बाद से ही इसे जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों तक इसकी जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचे इसके लिए नियमावली का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद कराया गया है। सचिव ने जानकारी दी कि पेसा कानून के विभिन्न प्रावधानों को राज्यभर में प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 125 मास्टर ट्रेनरों को तैयार किया गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर जागरूकता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नियमावली के निर्माण और लागू करने के लिए कई विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है।

इस दिशा में निदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जो कानून के लागू होने में आने वाली बाधाओं का अध्ययन कर रही है। सचिव ने कहा कि पारंपरिक न्याय व्यवस्था का भी गहन अध्ययन किया जा रहा है, ताकि स्थानीय संदर्भों को ध्यान में रखते हुए नियमावली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने भरोसा जताया कि निरंतर प्रयासों से पेसा कानून बेहतर तरीके से लागू होगा। पंचायती राज की निदेशक बी राजेश्वरी ने कहा कि राज्य में पेसा कानून को लागू करने से पहले कई आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की गईं, लेकिन इसके क्रियान्वयन के दौरान विभिन्न प्रकार की चुनौतियां भी सामने आई हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिए निरंतर सुधार की प्रक्रिया जारी है।

रांची में जनगणना कार्यों की केंद्रीय टीम ने की सराहना

बिभा संवाददाता

रांची : भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के क्रियान्वयन का निरीक्षण करने रांची पहुंचे अपर महारजिस्ट्रार, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं निदेशक-सह-मुख्य प्रधान जनगणना पदाधिकारी, जनगणना कार्य निदेशालय, झारखण्ड श्री सुनील कुमार एवं केंद्रीय टीम द्वारा जिले में चल रहे जनगणना कार्यों की सराहना की गई। केंद्रीय टीम ने कहा कि रांची जिला में जनगणना 2027 का कार्य प्रभावशाली, सुव्यवस्थित एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है।

अपर महारजिस्ट्रार श्री सुनील कुमार ने प्रधान जनगणना पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री से मुलाकात के दौरान ये बातें कही। प्रधान जनगणना पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अपर महारजिस्ट्रार श्री सुनील कुमार को शॉल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-उप जिला जनगणना पदाधिकारी श्री शेषनाथ बैठा एवं संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में केंद्रीय टीम ने दिनांक 19-21 मई 2026 तक रांची जिला अंतर्गत ओरमांझी, नामकुम एवं कर्कि प्रखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर जनगणना कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रगणकों द्वारा तैयार नजरी नक्शों का मिलान किया गया तथा विभिन्न बिंदुओं पर उनसे प्रश्न पूछे गए, जिनका संतोषजनक एवं तार्किक उत्तर प्रगणकों द्वारा दिया गया। केंद्रीय टीम प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं कार्य निष्पादन से काफी प्रभावित हुई।

केंद्रीय टीम द्वारा यह भी बताया गया कि रांची जिला में जनगणना 2027 के कार्यों का संचालन बेहतर समन्वय एवं गंभीरता के साथ किया जा रहा है, जो अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक है।

पंडरा थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में विवेक कुमार ने पदभार ग्रहण किया

रांची(बिभा): पंडरा थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में विवेक कुमार ने पदभार ग्रहण किया। उनके पदस्थापन से क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने नए थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए बेहतर कानून व्यवस्था एवं जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग की अपेक्षा व्यक्त की है।

नवपदस्थापित थाना प्रभारी विवेक कुमार ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि पंडरा थाना क्षेत्र में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राँची नगर निगम ने जल-जमाव की समस्या पर कसा शिकंजा, विशेष समिति गठित

बिभा संवाददाता

रांची : मानसून से पूर्व शहरवासियों को जल-जमाव की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से राँची नगर निगम ने विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं त्वरित समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम द्वारा शहर के कई वार्डों एवं जल-जमाव प्रभावित इलाकों के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है, जो स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेगी।

रांची नगर निगम के अनुसार, शहर के कई इलाकों में बरसात के दौरान जल-जमाव की समस्या लगातार सामने आती रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही जिन स्थानों पर नाली निर्माण एवं ड्रेनेज कार्य प्रगति पर हैं, वहां कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की भी निगरानी की जाएगी।

विशेष रूप से वार्ड संख्या 01, 12, 18, 21, 23, 24, 25, 32 एवं 42 के जल-जमाव प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता सूची में रखा गया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्षा के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

रांची नगर निगम द्वारा इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन एवं तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में कचरा न डालें तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें, ताकि मानसून के दौरान शहर को जल-जमाव से मुक्त रखा जा सके।

संघर्षों के बीच झारखंड की बेटी ने बढ़ाया देश का मान, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर दिव्यानी लिंडा को सहयोग की दरकार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की अंतरराष्ट्रीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा आज अपने संघर्ष और प्रतिभा के दम पर देश और राज्य का नाम रोशन कर रही हैं। ओरमांझी प्रखंड के चंद गांव की रहने वाली दिव्यानी ने बेहद साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है। हाल ही में चीन में आयोजित एशियन स्तर की प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर उन्होंने रांची जिले की पहली महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

वर्तमान में दिव्यानी स्टार वरियर फुटबॉल क्लब कर्के में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। क्लब ग्रामीण और गरीब बच्चों को

निःशुल्क फुटबॉल प्रशिक्षण देने के साथ-साथ रात में पढ़ाई की भी व्यवस्था करता है। क्लब अब तक झारखंड को 20 से अधिक राष्ट्रीय खिलाड़ी और एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दे चुका है। हालांकि, एक ओर जहां दिव्यानी देश के लिए खेल रही हैं, वहीं दूसरी ओर उनका परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जानकारी के अनुसार उनका घर जर्जर स्थिति में है और नए मकान का निर्माण पैसों की कमी के कारण अधूरा पड़ा हुआ है। इसके अलावा दिव्यानी के भाई की तबीयत भी गंभीर रूप से खराब है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उसका समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि दिव्यानी घर, इलाज और खेल—तीनों मोर्चों पर संघर्ष करते हुए भी अपने सपनों और देश के लिए खेलने के जज्बे को कमजोर नहीं होने दे रही हैं।

क्लब प्रबंधन ने सरकार, खेल विभाग, जनप्रतिनिधियों और समाज के लोगों से अपील की है कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और संघर्षरत परिवारों की मदद के लिए आगे आएं, ताकि झारखंड की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार देश का नाम रोशन करती रहें।

सेल ने एमडीआई, गुड़गांव के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) और मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुड़गांव न एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में हुआ यह समझौता,रअक्छ में भविष्य की कमान संभालने वाले लीडर्स को तैयार करने के उद्देश्य से एग्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम्स पर मिलकर काम करने के लिए किया गया है।

यह साझेदारी अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक इस्तेमाल के साथ जोड़ेगी। इसके तहत कस्टमाइज्ड

लीडरशिप प्रोग्राम्स, रणनीति और इनोवेशन पर आधारित लर्निंग इंटरवेंशन, मापने योग्य व्यावसायिक प्रभाव के लिए 'एक्शन लर्निंग', ओवरसीज लर्निंग प्रोग्राम, संयुक्त रिसर्च व कंसल्टिंग और कंपनी के अधिकारियों की जरूरतों के हिसाब से तैयार किए गए केस स्टडीज शामिल होंगे। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज के साथ तालमेल बिठाते हुए संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करना है।

इस समझौता ज्ञापन पर सेल के एमटीआई के कार्यपालक निदेशक संजय धर और एमडीआई, गुड़गांव की प्रोफेसर सुमिता राय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के. के. सिंह और सेल तथा एमडीआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल : 30 महिलाओं को मिला टेलरिंग एवं फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण

हुनर को आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं: शाश्वत कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए कौशल विकास आवश्यक है। हुनर के साथ आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का भाव हो तो महिलाएं समाज और परिवार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उक्त बातें सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कमांडेंट शाश्वत कुमार ने कहीं। वे आज उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा संचालित टेलरिंग एवं फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम अनगड़ा प्रखंड के बरवारी गांव स्थित उषा मार्टिन फाउंडेशन केंद्र में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह में कुल 30 महिला प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर शाश्वत कुमार ने कहा कि महिलाओं को अपने हुनर को पहचानकर उसे आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक मजबूत

माध्यम है। अपने हुनर को कभी सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए अपने कौशल का उपयोग स्वयं, परिवार और समाज के विकास के लिए करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, सलहान पंचायत की मुखिया सरिता तिर्की एवं उपमुखिया बिमला चैधरी ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समय में कौशल विकास और स्वरोजगार महिलाओं के लिए नई संभावनाएं लेकर आ रहे हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. मयंक मुरारी के कार्यों की भी सराहना की गई। उन्होंने कहा कि समाज में आजीविका के अवसरों को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। किसी भी हुनर को दबाना नहीं चाहिए, बल्कि उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरूआत है। हुनर कभी व्यर्थ नहीं जाता और जीवन के हर चरण में इसका लाभ मिलता है।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा उन्हें स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का सफल समन्वयन राजशील फाउंडेशन की ओर से सुष्मिता जी द्वारा किया गया। वहीं उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से प्रिया बागची, संगीता कुमारी एवं बरुण कुमार उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न गणमान्य अतिथि, स्थानीय प्रतिनिधि एवं ग्रामीण भी मौजूद रहे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या : 20–एसडीएसटीई–एएसएन–2026–27, दिनांक 20.05.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल–आसनसोल मंडल के तहत मेल/एक्सप्रेस के ठहराव वाले विभिन्न स्टेशनों पर आईपीआईएस आधारित टीआईबीसीआईबी डिस्प्ले सिस्टम का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 6,76,56,771.35, **बयाना राशि:** रु. 13,53,100/–, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 12.06.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www. ireps.gov.in/**

ASN-103/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैंबर तोड़े जाने के विरोध में बोकारो के अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो; इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने लखनऊ में वकीलों के चैंबर को बर्बरता पूर्ण करवाई कर तोड़े जाने का विरोध करती है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने बोकारो के अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लखनऊ में अधिवक्ताओं के साथ घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना तथा अधिवक्ताओं के चैंबरों को तोड़े जाने की घटना के विरोध में बोकारो के तमाम अधिवक्ता विरोध प्रकट कर रहे है। बोकारो कोर्ट परिसर में बोकारो के अधिवक्ताओं ने एक स्वर से इस घटना की निंदा की है और सरकार से जल्द अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। बोकारो के तमाम अधिवक्ता लखनऊ के अधिवक्ताओं के समर्थन में एकजुटता प्रदर्शित कर

सरकार तक यह संदेश पहुंचाया कि बोकारो समेत देश भर के अधिवक्ता लखनऊ के अधिवक्ताओं के साथ मजबूती से खड़ा है तथा इस घटना में संलिप्त दोषी व्यक्तियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।
साथ ही यह भी मांग की जाती है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने हेतु अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को अविलंब झारखंड सहित पूरे भारत में लागू किया जाए, ताकि भविष्य में अधिवक्ताओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।
यह विरोध कार्यक्रम अधिवक्ता समाज की एकता, गरिमा एवं अधिकारों की रक्षा हेतु शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता राम लाल गोप, शंकर कुमार महतो, प्रवीण कुमार पांडेय, राजीव कुमार, संजय कुमार, अशोक कुमार श्रीवास्तव, अतुल कुमार, दीप्ति कुमारी, दीपिका सिंह,सबिता, उत्तम, राज बब्बर, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, संजीत कुमार सिंह, हसनैन आलम, संपूर्ण चंद्र लायक, ज्योति प्रकाश चौधरी, फटीक चंद्र सिंह, रंजन कुमार मिश्रा, सुनील चांडक, राणा प्रताप शर्मा समेत सैकड़ों अधिवक्ता शामिल थे।

झारखण्ड कैडर के एसीपी वेदांत शंकर ने चास में लिया पदभार

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। झारखण्ड कैडर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) वेदांत शंकर ने शुक्रवार को चास अनुमंडल में अपना पदभार ग्रहण कर लिया. पदभार संभालने के बाद उन्होंने थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ पहली बैठक की.
एसीपी वेदांत शंकर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता चास क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना, अपराध पर नियंत्रण और आम जनता की शिकायतों का त्वरित निष्पादन होगी. उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधार, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.
बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का जल्द निपटारा करें और बीट पुलिसिंग को और सक्रिय बनाएं. साथ ही अवैध कारोबार, नशा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. पदभार ग्रहण के मौके पर चास एसडीपीओ, इंस्पेक्टर और विभिन्न थानों के प्रभारी मौजूद रहे. स्थानीय लोगों ने नए एसीपी का स्वागत किया और उनसे क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग की उम्मीद जताया।

संक्षिप्त खबरें

चिराबाड़ी टोला में बदला गया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों को गर्मी से मिली राहत

तलगडिया (बोकारो)(बिभा) । चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सियालजोरी पंचायत के सियालजोरी गांव स्थित चिराबाड़ी टोला में 25 केवीए ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से पिछले कई दिनों से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। भीषण गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों में काफी नाराजगी थी। ग्रामीणों द्वारा समस्या की सूचना दिए जाने के बाद जेएलकेएम केन्द्रीय सचिव सुभाष महतो ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग के अभियंताओं से बातचीत की। इसके बाद खराब पड़े 25 केवीए ट्रांसफार्मर को हटाकर गांव में 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। नए ट्रांसफार्मर के लगने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारु हो गई है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ट्रांसफार्मर का उद्घाटन जेएलकेएम केन्द्रीय सचिव सुभाष महतो ने किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि समय पर पहल होने से बड़ी समस्या का समाधान हो गया।मौके पर जेएलकेएम कार्यकताओं व ग्रामीण मौजूद थे।

बोकारो पुलिस की त्वरित कार्यवाही, महिला को पिस्तौल दिखाकर धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बोकारो(बिभा) : बोकारो पुलिस ने 19 मई की रात पिस्तौल दिखाकर अपनी तलाकशुदा पत्नी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मनोज रजवार (उम्र लगभग 40 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बोकारो द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। पुलिस के अनुसार, 19 मई की रात लगभग 11 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम तेतुलिया में मनोज रजवार अपनी पूर्व पत्नी लक्ष्मी देवी को पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर त्वरित कार्रवाई की गई। एसआईटी टीम ने ग्राम तेतुलिया में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर एक लोडेड देसी कट्टा और उसकी लाल रंग की मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच10सीपी9992) बरामद की गई। बताया गया है कि आरोपी का निवास दुखीडीह बस्ती, थाना कतरास (कपूरिया ओपी) में है और वह कैलाश रजवार के पुत्र है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी और पीड़िता के बीच लगभग तीन वर्ष पूर्व धनबाद न्यायालय से तलाक हो चुका है। उसके बाद भी आरोपी बार-बार महिला को धमकाता था और बेटी को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करता था। घटना के दिन पीड़िता अपनी बहन के घर ग्राम तेतुलिया आई हुई थी, जहां आरोपी ने पिस्तौल दिखाकर धमकी दी। घटना के संबंध में सियालजोरी थाना में कांड संख्या 30/2026 दर्ज की गई। आरोपी को 20 मई 2026 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव समेत कई पुलिस अधिकारी एवं जवान शामिल थे।

1984 सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के लंबित मुआवजा मामलों की उपायुक्त ने की समीक्षा

बोकारो(बिभा)। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने वर्ष 1984 सिख विरोधी दंगा से प्रभावित पीड़ितों के मुआवजा भुगतान से संबंधित लंबित आवेदनों की समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीना, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी,अनुमंडल पदाधिकारी चास श्रीमती प्रांजल डांढा, डीसीएलआर चास श्री प्रभाष दत्ता, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा श्रीमती शालिनी खालको, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, पीड़ितों के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे। बैठक के दौरान बताया कि वर्ष 1984 सिख विरोधी दंगा से प्रभावित 71 पीड़ितों के मुआवजा भुगतान का सत्यापन आयोग द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में जिले में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित फाइलों को देखने, एक इंडेक्स पंजी तैयार करने तथा सेक्टर-9 एवं माराफारी थाना में सिख दंगों से संबंधित सभी अभिलेखों की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने एवं व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने को भी कहा। उपायुक्त ने पीड़ितों को नियमित पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा इसकी नियमित समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

दुर्गा सोरेन को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नायक व युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर आज बांसगोड़ा स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने कार्यक्रम में दुर्गा सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि दुर्गा सोरेन का पूरा जीवन झारखंड और यहां के जनमानस के कल्याण के लिए समर्पित था। मांझी ने कहा, ₹दुर्गा सोरेन जी को हमारी ओर से शत-शत नमन और भावभीनी श्रद्धांजलि। राज्य के विकास में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।₹
कार्यक्रम में झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दुर्गा सोरेन ने शोषितों, वंचितों और आदिवासियों के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा। मंटू यादव ने यह भी कहा कि सोरेन के विचार आज भी युवाओं के मार्गदर्शक बने हुए हैं और पार्टी उनकी सपना-झारखंड के निर्माण के लिए निरंतर संघर्षरत रहेगी।
श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय सदस्य जयनारायण महतो, मोहन मुर्मू, फैयाज आलम, अमित सोरेन, आजाद अंसारी, राकेश सिन्हा, रामदयाल सिंह, प्रमोद तापड़िया, नौवीं हेंब्रम, लालमोहन हेंब्रम, प्रदीप यादव, अजीत मुर्मू, मस्तान अंसारी, सोमनाथ घोष, प्रेम राय, शांति सोरेन, सीमा देवी, सरस्वती देवी, फुल कुमारी सोरेन, सुनीता देवी, चिंता मरांडी, कुंती देवी, संजोता देवी, पार्वती देवी, प्रथम हांसदा, रामू सोरेन, सुरैया मांझी, बीरबल मुर्मू, दीपक यादव, महेश सोरेन, सलीम अंसारी, भीम सोरेन, सुनील सिंह और चंदन सिंह आदि दर्जन भर नेता तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हक और न्याय के लिये अब होगा आर पार का संघर्ष : राजेंद्र सिंह

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन में 40 प्रतिशत ठेका मजदूरों की छँटनी, ग्रेडिंग सिस्टम के द्वारा कर्मियों की छँटनी की मंशा तथा कोक-ओवन प्रबंधन की भ्रष्टाचारी नीति के खिलाफ क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ सम्बद्ध हिन्द मजदूर सभा द्वारा मुख्य महाप्रबंधक कोक-ओवन एवं कोक केमिकल्स कार्यालय पर विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया गया। मजदूरो की भारी संख्या जुलूस के रूप में बैट्री होते हुये मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय पहुँच कर विशाल सभा में तब्दील हो गई। हाँलाकि संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह स्वास्थ लाभ हेतु मुम्बई प्रवास के कारण प्रदर्शन से अनुपस्थित थे बावजूद इसके वर्चुअल रूप से प्रदर्शन में लगातार बने रहे तथा अपने लिखित सम्बोधन द्वारा मजदूरो को सम्बोधित किया।
वक्ताओ ने श्री सिंह के लिखित सम्बोधन को मजदूरो के बीच रखा। लिखित संबोधन मे श्री सिंह ने कहा कि सरकार की भ्रष्ट नीति और प्रबंधन की तानाशाही सारी सीमाएँ पार कर चुकी हैं।40 प्रतिशत ठेका मजदूरो की छँटनी तथा ग्रेडिंग के द्वारा बी एस एल कर्मियों की छँटनी की सोच इनकी मजदूर विरोधी कुंठित मानसिकता का जीता जागता उदाहरण है। प्रबंधन के शीर्ष अधिकारीगण एक बात बिल्कुल गांठ बांध लें मजदूर जब संघर्ष पर उतरता बड़े से बड़े तानाशाह को घुटने पर ला देता है। पी एस यु के गठन का उद्देश्य बेरोजगारो को नौकरी उपलब्ध कराना है ना कि नौकरी कर रहे युवाओ को बेरोजगार करना है।
प्रदर्शन को सफल बनाने मे जुम्मन खान,संतोष कुमार, हरेराम सिंह, आनन्द कुमार, नितेश कुमार, टुनटुन सिंह, अभय शर्मा,अमित यादव, राजेश तिवारी,उज्जवल कुमार, सिराज अहमद,पाण्डव बाऊरी, अनिल कुमार, दिगम्बर कुमार, लाल बाबु सिंह,बासुदेव कुम्भकार आदि की मुख्य भुमिका रही।

दिवंगत दुर्गा सोरेन की 17वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, साथियों ने याद किए विचार और योगदान

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिवंगत आदोलनकारी व पूर्व विधायक दुर्गा सोरेन की 17वीं पुण्यतिथि पर विस्थापित चौक सेक्टर-8उ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता मदन मोहन महतो (पूर्व जिला अध्यक्ष, किसान मोर्चा, झामुमो, बोकारो) ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला उपाध्यक्ष, किसान मोर्चा ने संभाला। उपस्थित लोगों ने दुर्गा सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि दी।
श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मदन मोहन महतो ने कहा कि दुर्गा सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख तेल, युवा दिलों की धड़कन और जननायक थे। उन्होंने कहा कि दुर्गा सोरेन की कार्यशैली और विचार हमेशा झारखंडियों व युवाओं को प्रेरित करती रही। महतो ने बताया कि वह स्वयं उनके निकट सहयोगी रहे और दुर्गा सोरेन सदा शोषण-रहित समाज की स्थापना तथा युवाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। महतो ने कहा कि उनके विचारों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
कार्यक्रम में सोहराय सोरेन, बेला सोरेन, संजीव गगरई, अभिमन्यु मांझी, करीमन उर्फ राजकुमार, नरेश ठाकुर, अरुण ठाकुर, प्रकाश रजक, सुधीर रजक, विक्रम कुमार सोरेन, शंकर महतो, विमल कुमार सोरेन, नरेश ठाकुर, सुजीत कुमार, दशरथ मरांडी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता व स्थानीय निवासी उपस्थित थे।
सभा के दौरान दुर्गा सोरेन के योगदान और ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए किए गए उनके कार्यों पर भी चर्चा हुई। श्रद्धांजलि देने वालों ने उनके आदर्शों को आगे ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।

जेडीयू अध्यक्ष खीरू महतो का जोरदार स्वागत, संगठन मजबूती व विस्थापितों के मुद्दे पर आश्वासन

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद खीरू महतो गुरुवार को नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी ट्रेन से बोकारो पहुंचे। उनका स्वागत जिले के जिलाध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में बोकारो रेलवे स्टेशन पर माला पहनाकर हर्षोल्लास के साथ किया गया। स्वागत सभा में जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, महासचिव विनय सिंह, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा सिंह, गणेश प्रजापति, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मी और पदाधिकारी उपस्थित रहे।
रेलवे स्टेशन से सीधे बोकारो परिसदन के सभागार पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने संगठन सुदृढ़ करने और आगामी रणनीति पर जोर दिया। खीरू महतो ने कहा कि प्रमंडलीय बैठकों का लगातार आयोजन किया जा रहा है ताकि पार्टी को मजबूती मिले और कार्यकताओं में नया उत्साह पैदा हो। उन्होंने कहा कि जेडीयू भ्रष्टाचार और सामाजिक सरोकार से जुड़े विषयों पर जनता को न्याय दिलाने के लिए 'आर-पार' की लड़ाई के लिए तैयार है।
बैठक के पश्चात बोकारो सर्किट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो ने विस्थापितों के समुचित समाधान की बात उठाई। उन्होंने जैना मोड़ को अनुमंडल बनाने तथा पिंड्राजोरा को प्रखंड दर्ज कर विस्थापितों के सभी मुद्दों को प्राथमिकता देने की मांग दोहराई और प्रबंधन व प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की।
झारखण्ड विस्थापित मंच के केंद्रीय अध्यक्ष व जेडीयू नेता अधिवक्ता महतो ने विस्थापितों की समस्याओं का ज्ञापन राज्यसभा सांसद व प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो को सौंपा। ज्ञापन देने वालों में रज्जाक अंसारी, रतनलाल महतो, विजय कुमार, मनोज कुमार और किशोक कुशीरे प्रमुख थे। खीरू महतो ने मामले पर पहल का आश्वासन देते हुए कहा कि वे सरकार तथा प्रशासन से बात कर सकारात्मक कदम उठाएंगे।

वेदांता ने लॉन्च की 'विविध वर्स' पत्रिका, भारत की विविध कहानियों और विचारों को मिलेगा नया मंच

बिभा संवाददाता

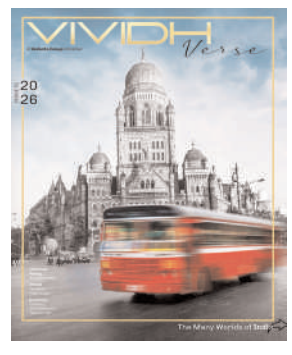

बोकारो : वेदांता लिमिटेड ने आज विविध वर्स का अनावरण किया। यह एक लिमिटेड एडिशन, कलेक्टिबल और प्रीमियम द्विभाषी पत्रिका है, जो पहली बार भारत की कहानी कहने की परंपरा को अनदेखी, अनसुनी और सावधानीपूर्वक चुनी गई कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत करती है। इस पत्रिका में संस्कृति, सार्वजनिक नीति, उद्यमिता, एआई, खेल, जमीनी भारत और अन्य विषयों से जुड़ी विचारशील बातचीत और विशेष रूप से चुनी गई कहानियों को शामिल किया गया है।
तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया के बीच विविध वर्स प्रिंट माध्यम में एक ऐसा दुर्लभ ठहराव प्रस्तुत करता है, जहां विचार खुलकर सामने आते हैं, कहानियां प्रेरित करती हैं और भारत के विविध अनुभव व दृष्टिकोण एक साथ जुड़ते हैं। प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में उपलब्ध इस विशेष और अनूठी स्टोरीटेलिंग कलेक्टिबल की हर कड़ी भारत के गांवों, कक्षाओं, फैक्ट्री परिसरों, स्टार्टअप्स और सांस्कृतिक दुनिया से जुड़ी आवाजों को एक साथ पिरोती है। यह एक ओर देश की सदियों पुरानी परंपराओं को दर्शाती है, तो दूसरी ओर आगे बढ़ते भारत की नई आकांक्षाओं को भी सामने लाती है। इसमें कलाकारों, उद्यमियों, नीति निमार्ताओं, नवाचारकताओं और बदलाव लाने वाले लोगों के विचार शामिल हैं, जो आधुनिक भारत को नई दिशा दे रहे हैं।
अपने फोरवर्ड संदेश में अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता ग्रुप ने कहा, राष्ट्र निर्माण केवल बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े करने या अरबों डॉलर के व्यवसाय बनाने तक सीमित नहीं हो सकता। असल मायनों में यह अवसर पैदा करने, उद्योगों को बढ़ावा देने, महिलाओं को सशक्त बनाने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि बच्चों को सही पोषण और शिक्षा मिले। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की क्षमता पर विश्वास किया जाए और उसे एक मंच दिया जाए। विविध वर्स इसी विश्वास से जन्मा है। यह विश्वास कि कहानियों में सोच बदलने और भविष्य को आकार देने की ताकत होती है।
यह पत्रिका उन करोड़ों भारतीयों को समर्पित है, जो अपनी मेहनत से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय में, जब अनिश्चितता और उम्मीद दोनों साथ मौजूद हैं, हमें शोर नहीं बल्कि स्पष्ट सोच की जरूरत है। यह पत्रिका उसी स्पष्टता की दिशा में एक कदम है, इस पहल के पीछे अपनी सोच रखने वाले अनिल अग्रवाल ने आगे कहा।
सावधानीपूर्वक तैयार की गई और आकर्षक दृश्य प्रस्तुति से सजी विविध वर्स की पहली कड़ी में पाठकों को प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के विविध और अनूठे विचार पढ़ने को मिलेंगे।
कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस बात पर विचार साझा किए कि संविधान किस तरह आम नागरिकों को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा, मेरी यात्रा केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का परिणाम नहीं थी; यह इसलिए संभव हो सकी क्योंकि भारत के संविधान ने सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए। पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह ने भारत की जीवंत सभ्यतागत विरासत पर कहा, भारतीय सभ्यता को संरक्षित करना केवल अतीत को याद रखना नहीं, बल्कि उसके मूल्यों को सजगता के साथ जीना है।
प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने तेजी से बदलते सांस्कृतिक परिवेश में वास्तविकता और अनुभवों के महत्व पर कहा, लाइक्स नहीं, लाइफ के अनुभव जरूरी हैं। खेल जगत से ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने अनुशासन और दृढ़ता पर कहा, खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना एक प्रक्रिया है, जिसे चुनौतियों के बावजूद लगातार समर्थन मिलना चाहिए। उद्यमिता के क्षेत्र से स्टार्टअप से यूनिकॉर्न बनाने वाले राहुल गर्ग ने एक सीधा सवाल उठाते हुए कहा, भारत की फैक्ट्रियां अब भी 1990 के दशक की तरह क्यों काम करें?
संगीत और सांस्कृतिक नवाचार पर धुरंधर फिल्म से जुड़े फि्लपेराची ने कहा, अगर किसी दूसरी संस्कृति के लोग आपकी धुन से जुड़ते हैं, तो वह सबसे बड़ा सम्मान है। वहीं लोकेश आनंद ने कहा, युवा श्रोता पहली बार शादी-ब्याह से आगे शहनाई को सुन रहे हैं यह मुझे बेहद खुशी देता है। डीजे आउटलॉ ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसा संगीत बनाना था, जिसे लोग सोचने से पहले महसूस करें। ये सभी विचार आज के भारत की विविधता, ऊर्जा और महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं।
विचार नेतृत्व से आगे बढ़ते हुए, यह पत्रिका उभरते डिजिटल रुझानों, जमीनी स्तर की उद्यमिता, पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों, फूड फेस्टिवल्स और शिक्षा को नए रूप में बदलने में एआई की भूमिका जैसे विषयों की भी गहराई से पड़ताल करती है।
विविध वर्स को खास बनाने वाली एक और महत्वपूर्ण बात इसकी विशेष रूप से तैयार की गई एक्सक्लूसिव प्रस्तुति है। पत्रिका का हर संस्करण एक संग्रहणीय सांस्कृतिक कृति के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें विशेष रूप से तैयार की गई सीमित संस्करण की फ्रेम की हुई कलाकृति भी शामिल होती है। यह पत्रिका को केवल पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि संभालकर रखने, बार-बार देखने और लंबे समय तक संजोकर रखने योग्य बनाती है।
एक जनरल इंटरेस्ट पत्रिका के रूप में, ह्यविविध वर्सह्न खुद को संस्कृति, विचारों और समकालीन भारत के संगम पर स्थापित करती है। इसके आगामी संस्करणों में भी विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े ऐसे लोगों और बदलाव लाने वाले व्यक्तित्वों की कहानियां और विचार शामिल किए जाएंगे, जिनकी यात्राएं मिलकर भारत के बदलते सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को दर्शाती हैं।

ब्राउन शुगर तस्करी करने वाला सिंडिकेट का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार, 52 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ (ब्राउन शुगर) की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ईचाक थाना क्षेत्र के लोटवा जंगल के रास्ते से 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 52 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है।पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। इसके बाद एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने लोटवा जंगल के पास से इन 5 अपराधियों को रंगे हाथों पकड़ा।गिरफ्तार आरोपी मे राहुल कुमार,पिता-सकलदीप प्रसाद मेहता साकिन-गूँजा,विशाल कुमार, पिता-तामेश्वर प्रसाद मेहता साकिन-रतनपुर, अमित कुमार पितादुलारचंद मेहता साकिन-बरकाकला, दीपक कुमार, पिता-स्व. नागेश्वर प्रसाद मेहता साकिन-बरका खुर्द और मुकेश कुमार, पिता-बालेश्वर प्रसाद मेहता साकिन-सायलखुर्द सभी आरोपी ईचाक थाना क्षेत्र के निवासी शामिल हैं।उनके पास से 52 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। जिसकी डीडीकिट से जांच में पुष्टि कर दी गई है। पुलिस ने

06 एंड्रॉयड मोबाइल फोन जप्त कर लिया है !पूछताछ में यह बात सामने आई है कि इन अपराधियों का नेटवर्क ईचाक, पदमा, बरही और हजारीबाग तक फैला हुआ था। ये अपराधी चतरा जिले के सप्लायर से 1400 रुपये प्रति ग्राम की दर से ब्राउन शुगर खरीदते थे और उसे अन्य सहयोगियों को 1500-1600 रुपये में बेचते थे। आगे यह ईचाक क्षेत्र में 2200-2400 रुपये प्रति ग्राम की दर से बेची जाती थी। यह भी पता चला है कि ये अपराधी खुद नशा नहीं करते थे, बल्कि इसका व्यावसायिक संचालन कर रहे थे और व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए आपस में जुड़े हुए थे।पुलिस ने इन सभी पर ईचाक थाना में कांड संख्या 91/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। पुलिस अब इस मामले में अन्य संलिप्त अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इससे पूर्व भी इनके मुख्य सरगना राहुल मेहता के अन्य सहयोगियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

80 लाख की सड़क एक साल में जर्जर, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी चपरी-बोदे सड़क योजना

बिभा संवाददाता

लातेहार: बरवाडीह प्रखंड में ग्रामीण विकास योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार और निर्माण में अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। चपरी गांव स्थित देवरी नदी के समीप चपरी-ललमटिया-बोदे गांव को जोड़ने के लिए करीब 80 लाख रुपये की लागत से बनी सड़क और पुलिया महज एक वर्ष में ही जर्जर हो गई है। सड़क कई जगह धंस चुकी है और उसमें बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य शुरू से ही मानकों की अनदेखी और लापरवाही के साथ किया गया। वर्ष 2022-23 में बनी बरवाडीह-छेचा मुख्य सड़क की ऊंचाई अधिक होने के कारण बोदे सहित कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया था। इसके बाद स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह की अनुशंसा पर विशेष योजना के तहत पुलिया और संपर्क सड़क निर्माण को मंजूरी मिली थी, लेकिन भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण के कारण योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया।निर्माण कार्य में गड़बड़ी का सबसे बड़ा उदाहरण सड़क के बीचों-बीच छोड़ा गया बिजली का खंभा है। ग्रामीणों के अनुसार, खंभा हटाए बिना ही सड़क की ढलाई कर दी गई, जिससे बड़े वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है और दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संवेदक द्वारा निर्धारित लंबाई तक सड़क निर्माण नहीं कराया गया, बावजूद इसके विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से भुगतान कर दिया गया। योजना स्थल पर सूचना बोर्ड और शिलान्यास पट्ट तक नहीं लगाया गया, जिससे पूरी योजना की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।मामले को लेकर जिला परिषद सदस्य संतोषी कुमारी ने कहा कि करोड़ों रुपये की योजनाओं को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने में संवेदक से ज्यादा विभागीय इंजीनियर और अधिकारी जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि मामले की शिकायत मंत्री और विभागीय सचिव को पत्र भेजकर की गई है।

संक्षिप्त खबरें

16 साल के अर्थ ने शतरंज में बढ़ाया हजारीबाग का मान, नेशनल लेवल टूर्नामेंट में किया डीपीएस का प्रतिनिधित्व

हजारीबाग(बिभा) : कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए शहर के युवा शतरंज खिलाड़ी आर्थ ने हजारीबाग का नाम रोशन किया है। मात्र 16 वर्ष की उम्र में अर्थ खंडेलवाल अब तक हजारीबाग में आयोजित सात से अधिक शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके हैं और अपने शानदार प्रदर्शन से अलग पहचान बना चुके हैं।उनकी लगातार बेहतरीन खेल क्षमता को देखते हुए डीपीएस हजारीबाग ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर के शतरंज टूर्नामेंट में स्कूल का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना। अगस्त 2023 में आयोजित यह नेशनल लेवल टूर्नामेंट डीपीएस फरीदाबाद में संपन्न हुआ, जहां आर्थ ने अपनी रणनीति और खेल कौशल से सभी का ध्यान आकर्षित किया।ऑनलाइन शतरंज मंच Chess.com पर अर्थ खंडेलवाल की रेटिंग लगभग 1400 है, जो उनकी मजबूत पकड़ और प्रतिस्पर्धात्मक सोच को दशार्ती है। इतनी कम उम्र में उनका खेल अनुभव और आत्मविश्वास यह साबित करता है कि वे आने वाले समय में जिले और राज्य के लिए बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। परिजनों और स्कूल प्रबंधन ने आर्थ की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए कहा कि युवा प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर भी अर्थ सक्रिय हैं और उनका इंस्टाग्राम आईडी @arth.003 है।

पत्रकार हितों को लेकर हजारीबाग प्रेस क्लब की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

हजारीबाग(बिभा)। हजारीबाग प्रेस क्लब में गुरुवार को हजारीबाग प्रेस क्लब कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष सीतेश तिवारी एवं संचालन सचिव दीपक सिंह ने किया। बैठक में पत्रकारों के हित, संगठन की मजबूती एवं विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान, कार्य सुविधाओं तथा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपस्थित सदस्यों ने पत्रकार एकता को मजबूत करने तथा प्रेस क्लब को सक्रिय एवं सशक्त मंच के रूप में विकसित करने पर बल दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा, ताकि पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर प्रेस क्लब के सह सचिव भास्कर उपाध्याय, कोषाध्यक्ष सागर पाण्डेय सहित कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक पाण्डेय, अपराजिता पाण्डेय, रविंद्र प्रताप सिंह, अनिल कुमार राम, प्रदीप कुमार सिन्हा, अर्जुन टुडू, सुशांत सोनी, शशांक शेखर एवं एजाज आलम उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा अभियान में हेलमेट वितरण का आयोजन

रामगढ़(बिभा): सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुक्रवार को झारखंड सेवा समिति एवं पर्वतरोही टीम द्वारा यातायात पुलिस के सहयोग से रामगढ़ सुभाष चौक पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों से वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने का आहवान किया गया। वहीं, कार्यक्रम के दौरान दो पहिया वाहन चालकों के बीच हेलमेट का भी वितरण किया गया। मौके पर यातायात प्रभारी गजेंद्र पांडे झारखंड सेवा समिति और पर्वतरोही टीम की इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रशंसा की। कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से वाहन चालकों को जागरूक करने में मदद मिलती है। मौके पर अमित सिन्हा,नंदकिशोर प्रसाद गुप्ता, रंजन फौजी, संजय कुमार ,गौतम कुमार, उमेश कुमार , मुन्ना सिंह, संजय यादव, प्रताप समेत झारखंड सेवा समिति व पर्वतरोही टीम के कई सदस्य मौजूद थे।

न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार शेषनाथ सिंह ने किया कारा मंडल का औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार :प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार (उच्छरअ) लातेहार शेष नाथ सिंह ने बुधवार को मंडल कारा लातेहार का औचक निरीक्षण कर जेल व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों की समस्याएं सुनीं, उनके मामलों की कानूनी स्थिति की जानकारी ली और जेल प्रशासन को कई आवश्यक निर्देश दिए।औचक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में बंद कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और कानूनी सहायता की स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करना था। इस दौरान प्रधान जिला जज ने जेल के विभिन्न वार्डों का गहन मुआयना किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कारागार परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया और बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए। साथ ही वार्डों में साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश दिए।बंदियों से सीधा संवाद कर जाना केस का स्टेटसनिरीक्षण के क्रम में प्रधान जिला जज शेष नाथ सिंह ने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने बंदियों से उनके मुकदमों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली और यह जानने का प्रयास किया कि किसी को कानूनी सहायता या कोर्ट में प्रतिनिधित्व मिलने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है।इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से ऐसे बंदियों की पहचान की, जिनके पास पैरवी के लिए निजी वकील उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने बंदियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहेगा।उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता योजना की जानकारी देते हुए कहा कि जरूरतमंद बंदियों को डीएलएसए की ओर से मुफ्त सरकारी वकील उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें न्याय मिलने में किसी प्रकार की बाधा न हो।मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार के सचिव शिवम चौरसिया, मंडल कारा लातेहार के जेल अधीक्षक प्रभात कुमार, जेल के अन्य अधिकारी, जेल कर्मचारी एवं डीएलएसए के कर्मी मौजूद थे।

जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने दो योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ : ग्रामीण विकास एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत रजवार पंचायत के ग्राम कुरियाम खुर्द में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत दो महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया।

शिलान्यास कार्यक्रम में उनके साथ उनके पति सह एसडीएम प्रवीण कुमार सिंह, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर योजनाओं का शुभारंभ किया गया।शिलान्यास की गई योजनाओं में ग्राम कुरियाम खुर्द के चार मुहान से गमहेल थान तक नाली निर्माण कार्य तथा बडका बांध मरम्मत कार्य शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में जल निकासी, स्वच्छता एवं सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि गाँवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार ही ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नाली निर्माण कार्य से जल निकासी की समस्या दूर होगी तथा स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी, वहीं बडका बांध की मरम्मत से किसानों को सिंचाई एवं जल संरक्षण में व्यापक लाभ मिलेगा।

डीएससीएल द्वारा सीएसआर के तहत महिलाओं को दिया गया सिलाई मशीन, लाभुकों को मिला स्वरोजगार

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : 21 मई 26 को बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत प्लांट परिसर के समीपवर्ती क्षेत्रों की 20 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन वितरण हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन इंद्रा नगर स्थित सिलाई ट्रेनिंग सेंटर में किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके लिए आय सृजन के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कंपनी द्वारा प्रदान की गई सिलाई मशीनों के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार शुरू कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने जानकारी दी कि कंपनी की योजना भविष्य में प्लांट में उपयोग होने वाले औद्योगिक दस्तानों के निर्माण कार्य को भी इन महिलाओं से कराने की है। इसके लिए आवश्यक कच्चा माल कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा तथा तैयार दस्तानों को कंपनी स्वयं खरीदेगी। इस पहल से महिलाओं को नियमित रोजगार एवं अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी।

कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि महिला सशक्तिकरण सामाजिक एवं आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड सदैव स्थानीय समुदाय के विकास एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की जनहितकारी योजनाएं संचालित करता रहेगा। इस अवसर पर लाभुक महिलाओं ने कंपनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने कौशल को रोजगार में बदलने के लिए प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में राकेश गुप्ता, शुभम सिंह, सूरज प्रसाद, अदिति मैडम, ज्योति मैडम (प्रशिक्षक) सहित स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डिजनीलैंड मेला का सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार पांडे एवं वार्ड पार्षद विजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के इंद्रपुरी सिनेमा हॉल मैदान परिसर में बुधवार देर शाम डिजनीलैंड मेले का भव्य उद्घाटन सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार पांडे एवं वार्ड पार्षद विजय कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद दोनों अतिथियों ने मेले परिसर का भ्रमण कर विभिन्न झूलों, मनोरंजन साधनों एवं खानपान स्टॉलों का अवलोकन किया तथा मेले की व्यवस्थाओं की सराहना की। मेले में आकर्षक झूले, बच्चों के लिए विशेष गेम जोन, स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टॉलें, घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानें एवं मनोरंजन के कई साधन लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी से सजा पूरा मेला परिसर लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। बच्चों से लेकर महिलाओं एवं युवाओं तक में मेले को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार पांडे ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शहरवासियों को मनोरंजन के साथ परिवार के साथ समय बिताने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मेले में सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है, ताकि लोग सुरक्षित एवं आनंददायक माहौल में मेले का आनंद उठा सकें। वार्ड पार्षद विजय कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से शहर की रौनक बढ़ती है तथा स्थानीय लोगों को बेहतर मनोरंजन का अवसर मिलता है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं भी दीं। मेले के आयोजक भोला कुमार गुप्ता एवं प्रबंधक मोहम्मद अकरम आलम ने बताया कि मेले में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए विशेष आकर्षण की व्यवस्था की गई है। आने वाले दिनों में सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे मेले की रौनक और बढ़ेगी।

गीता में हाथ रखकर कसम खाता हु,जो कहूंगा सच कहूंगा,सच के सीवा कुछ नहीं कहूंगा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में हजारीबाग जिला क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यशैली, सदस्यता प्रक्रिया, खिलाड़ियों की उपेक्षा तथा हाल के विवादों को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने इशारों ही इशारों में राजनीतिक विरोधियों और एचडीसीए के पदाधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग कहलाना तो राम चाहते हैं, लेकिन भूमिका धृतराष्ट्र की निभा रहे हैं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग के विकास, खिलाड़ियों के सम्मान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए यदि उन्हें उदंड कहा जाता है, तो वे एक नहीं बल्कि हजार बार भी ऐसी उदंडता करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाना, आत्मसम्मान की रक्षा करना और खेल व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग करना कोई अपराध नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे विवाद की शुरूआत उस समय हुई जब टाटा स्टील के साथ आयोजित दोस्ताना क्रिकेट मैच में बिना उनकी सहमति के उनके नाम का उपयोग किया गया। विधायक ने कहा कि यदि उनके नाम का उपयोग किया गया था तो उन्हें इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई और इसके पीछे मंशा क्या थी। उन्होंने कहा कि उनका सवाल केवल इतना था कि बिना जानकारी और सहमति के किसी जनप्रतिनिधि के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया।

विधायक ने कहा कि जब उन्होंने इस विषय पर सवाल उठाया तो उनके प्रयास को अनैतिक और उद्दंड बताया गया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अपने आत्मसम्मान की रक्षा करने की कोशिश को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। विधायक ने कहा कि जब उन्होंने विरोध दर्ज कराया तो एचडीसीए के सचिव, कार्यकारी अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य स्वयं आकर अपनी गलती स्वीकार करते हैं। लेकिन इसके तुरंत बाद सांसद द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस किया जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यह पूरा घटनाक्रम सामान्य नहीं प्रतीत होता। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि उनका विरोध केवल एचडीसीए सचिव की कार्यशैली को लेकर था, लेकिन सांसद स्वयं उड़ता तीर लेकर बचाव में उतर आए। उन्होंने कहा कि चेयरपर्सन होने का हवाला देकर जिस तरह से बचाव किया गया, उससे यह स्पष्ट होता है कि संगठन पर कुछ चुनिंदा लोगों का प्रभाव हावी है। उन्होंने कहा कि एचडीसीए सचिव द्वारा यह दावा किया गया कि उन्हें कार्यक्रम की सूचना दी गई थी, जबकि वास्तविकता यह है कि उन्हें संबंधित व्हाट्सएप ग्रुप में तक शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में सूचना भेजने का दावा पूरी तरह निराधार और भ्रामक है।

विधायक ने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि हजारीबाग की उस जनता का भी अपमान है जिसने उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से अपना प्रतिनिधि चुनकर विधानसभा भेजा है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन किसी की बपौती नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक साधारण शिक्षक के पुत्र हैं और इतना बड़ा स्टेडियम किसी व्यक्ति विशेष की निजी संपत्ति नहीं हो सकता। स्टेडियम हजारीबाग की जनता का है और उसका संचालन भी लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। उन्होंने एचडीसीए की सदस्यता प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि वर्ष 1968 से संगठन अस्तित्व में है, लेकिन आज तक सदस्य संख्या लगभग 102 तक ही सीमित क्यों है। आखिर नए खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और शहर के युवाओं के लिए सदस्यता के द्वार क्यों नहीं खोले जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपना व्यक्तिगत वर्चस्व बनाए रखने के लिए नए सदस्यों को संगठन से दूर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने आजीवन सदस्य बनने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें सदस्यता नहीं दी गई। विधायक ने कहा कि आखिर किसके इशारे पर ऐसे लोगों को संगठन से बाहर रखा गया।

प्रेस वार्ता के दौरान विधायक ने कहा कि वे कल भी लक्ष्मण थे, आज भी लक्ष्मण है और आगे भी रहेंगे, लेकिन स्वयं को राम कहलाना चाहते हैं, लेकिन उनकी भूमिका धृतराष्ट्र जैसी दिखाई देती है। उन्होंने एचडीसीए के संचालन को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि संगठन का अध्यक्ष ऐसा व्यक्ति है जो हजारीबाग में स्थायी रूप से रहते तक नहीं हैं और पूरा संचालन कार्यकारी अध्यक्ष के भरोसे चल रहा है। विधायक ने कहा कि इससे यह धारणा मजबूत होती है कि संगठन कुछ विशेष लोगों के प्रभाव में संचालित हो रहा है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि वे हजारीबाग के विकास, खिलाड़ियों के हित, खेल संस्कृति के विस्तार और जनता के सम्मान के लिए हमेशा मजबूती से खड़े है।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

विनोद कुमार सिंह

तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश... वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से ह्लनई तमिल राजनीतिह्व भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

संपादकीय

बीमार अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है।

चिंतन-मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस ह्यवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्न विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरूआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है। आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

नीरज कुमार दुबे

मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा।

शुरूआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

इस हिंसा में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया और निर्मल नगर पुलिस थाने में गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। घायलों का उपचार भाभा अस्पताल और वीएन देसाई अस्पताल में कराया गया। एक पुलिसकर्मी और एक प्रदर्शनकारी को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, हालांकि दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने चेतावनी दी है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर कुछ निवासियों ने दावा किया कि वह कई दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा बिजली कनेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर खाली करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ईद से ठीक पहले की गई कार्रवाई ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हालांकि इन दावों और मानवीय पक्ष के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अवैध कब्जों के खिलाफ हर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं क्यों सामने आती हैं? चाहे देश का कोई भी राज्य हो, अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन पर हमला करना अब एक तयशुदा रणनीति जैसा दिखाई देता है। इससे साफ है कि कुछ तत्व कानून व्यवस्था को बिगाड़कर सरकारी कार्रवाई को रोकना चाहते हैं। मुंबई जैसे संवेदनशील और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की हिंसा न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती भी है।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें ।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे ?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्यूलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं ।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं ।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है। - लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है। - महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है ।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ-साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।
- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा ।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

एअर इंडिया की फ्लाइट रनवे से टकराई

बंगलूरू (एजेंसी)। बंगलूरू हवाई अड्डे पर उतरते समय गुरूवार को एअर इंडिया के एक विमान में टेलस्ट्राइक की घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से आ रहा विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और चालक दल और यात्री सामान्य रूप से विमान से उतर गए। दरअसल, टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान जब विमान का पिछला हिस्सा रनवे के संपर्क में आता है, तब टेलस्ट्राइक की घटना होती है। टेलस्ट्राइक के बाद सभी विमानों की संरचनात्मक समस्याओं के लिए जांच की जाती है। फ्लाइट में 181 यात्री सवार थे। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग से ठीक पहले विमान 'वेक टर्बुलेंस' की चपेट में आ गया। इसके बाद पायलट ने नियमों के तहत 'गो-अराउंड' करने का फैसला लिया। पायलट ने लैंडिंग टाल दी और फ्लाइट वापस हवा में ले ली। इसी दौरान उसका पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।

नीट लीक मामला : कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन : शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयुपर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसमें पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलना पड़ा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे, जहां से वे बीजेपी मुख्यालय का घेराव करने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान शहीद स्मारक पर कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को कंधे पर उठा लिया। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पुलिस कमिश्नरेट के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने विधायक मुकेश भाकर और पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को धक्का देकर आगे बढ़ने से रोका, जबकि विधायक मनीष यादव को बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते हुए नीचे उतारा गया। डोटासरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला कर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने प्रधान को चोर और धोखेबाज करार देकर कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर लोगों का विश्वास नहीं रहा है और एनटीए को भंग कर देना चाहिए। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाकर कहा कि 22 लाख छात्रों के भविष्य को देखते हुए नीट पेपर लीक मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सके।

अमृतसर में घर में भीषण धमाका, दो महिलाएं झुलसीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर के अनगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह एक घर में हुए जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल गया। घटना के कारण घर में भीषण आग लग गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एक महिला की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और दूसरी भी बुरी तरह घायल है। आशंका है कि एक महिला की मौत हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि अस्पताल की रिपोर्ट के बाद होगी। बात दें कि धमाका इतना तेज था कि घर की छत में गहरी दरारें पड़ गईं और बाहर लगे शीशे भी टूटकर बिखर गए। आग बहुत तेजी से फैली, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 11:45 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। टीम जब पहुंची, तब स्थानीय लोग आग बुझाने में मदद कर रहे थे। फायर ब्रिगेड की टीमों ने लगभग 20 से 25 मिनट में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग आग लगने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों ने पटाखों या अन्य ज्वलनशील पदार्थों से धमाके जैसी आवाज सुनने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सभी कोणों से मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक आग लगने का कोई अंतिम कारण सामने नहीं आया है और विस्तृत जांच के बाद ही सच्चाई का पता चलेगा। पुलिस मौके से सबूत जुटाकर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही आलोचना

-हाईकोर्ट ने राघव की याचिका पर कहा- यह प्राइवेसी उल्लंघन का मामला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस सुब्रह्मण्यम प्रसाद की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि राघव चड्ढा के व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। उनकी आलोचना उनके राजनीतिक फैसले को लेकर और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने की मांग की गई थी।

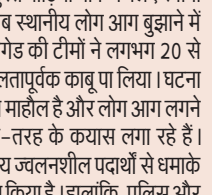

हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों का कमर्शियल इस्तेमाल और आलोचना करने में अंतर है। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने की आलोचना हो रही है। प्रथम दृष्टया इसमें व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा निस्संदेह आज़ादी के समय से ही हम आरके लक्ष्मण के कार्टून देखते आए हैं। उस दौर में शायद सोशल मीडिया इतना प्रभावशाली नहीं था, जितना आज है। बता दें राघव चड्ढा की याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित एआई-जनरेटेड डीपफेक, छेड़छाड़ वाले वीडियो, फैब्रिकेटेड भाषण और भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। कोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा है कि ऐसे मामलों में मानहानि का केस दर्ज किया जा सकता है। पार्टी बदलना एक सार्वजनिक फैसला है, व्यक्तिगत नहीं। कोर्ट ने एआई से बने वीडियो पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रूप से रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती।

गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया ऐलान

शंकराचार्य गो-एलएक्स पर गाय खरीदेंगे और बेचेंगे

वाराणसी (एजेंसी)। गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त का ऐलान किया है। शंकराचार्य ने गो-एलएक्स नाम से एक वेबसाइट शुरू करने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से गायों की खरीद की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हम एक वेबसाइट बनवा रहे हैं। इस वेबसाइट के जरिए हम गायों को खरीदेंगे। जो पशुपालक या व्यापारी अपनी गाय बेचना चाहता है, वह वेबसाइट पर विज्ञापन दे सकता है। अगर कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो मुझे बेचे। हम खरीदने के लिए तैयार हैं। हम गायों को कटने नहीं देंगे और किसी गोहत्यारे को गाय खरीदने नहीं देंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि हम गायों को खरीदकर उनकी सेवा करेंगे। हिंदुओं के कहने पर ही अपने वेबसाइट बनाई है। हमने इसका नाम गो-एलएक्स रखा है। लोग अपनी गाय यहां बेच सकते हैं। गो संरक्षण को समर्पित लोग भी उन गायों को खरीदकर सेवा कर सकेंगे। गायों को ऑनलाइन खरीदने का फैसला लेने की वजह बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों से यह नैरेटिव फैलाया जा रहा कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गो मांस खाना छोड़ देंगे तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

गो-एलएक्स का मकसद, गायों को कटने से बचाना है

शंकराचार्य ने कहा कि गो-एलएक्स मंच का उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में गाय को कत्लखाने जाने से रोकना है। यह मंच ओएलएक्स की तर्ज पर कार्य करेगा। जहां गाय बेचने की इच्छा रखने वाले लोग संपर्क कर सकेंगे। गो सेवक और गो भक्त गायों को संरक्षण के लिए खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि वह ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर दी हैं या जिनको कसाई को बेचा जा रहा। पशुपालक उन गायों को हमारी वेबसाइट पर सीधे बेच सकेंगे और हम उसकी खरीदी करेंगे।कोई भी सच्चा हिंदू अपनी गाय को कटने के लिए नहीं बेच सकता। यदि किसी व्यक्ति में वास्तविक हिंदुत्व है, तो वह कभी भी गाय को कसाई के हाथों में नहीं सौंपेगा।

मुस्लिम समाज भी गोहत्या बंदी के समर्थन में...

शंकराचार्य ने कहा कि भारत में गो हत्या बंदी के समर्थन में मुस्लिम समाज भी है। मुस्लिम समाज के काफी लोग साथ हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया है कि इस्लाम में गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। हम ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं। यदि देश में गोहत्या और गोमांस भक्षण बंद होता है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सद्भाव को बल मिलेगा।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अफ्रीका में फैले इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में फैले इबोला को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीएचएस ने सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स को एडवाइजरी भेजी है खासकर उन यात्रियों के लिए जो डीआर कांगो, युगांडा और साउथ सूडान जैसे हाई रिस्क देशों से आ रहे हैं। एडवाइजरी में कहा है कि अगर किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त, गले में खराश या खून बहने जैसे लक्षण हैं तो उसे इमिग्रेशन से पहले ही एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और देश के लिए वर्तमान खतरा बेहद कम है। हालांकि सावधानी के तौर पर निगरानी और तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है। एडवाइजरी में ये भी कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित मरीज के खून या बॉडी फ्लूइड के संपर्क में आया है तो उस पर भी नजर रखी जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि भारत आने के बाद 21 दिनों के अंदर अगर लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी ट्रैवल हिस्ट्री बताएं। बता दें एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। इबोला एक बेहद खतरनाक बीमारी है इसलिए केंद्र सरकार ने यात्रियों से हेल्थ स्क्रीनिंग में पूरा सहयोग करने की अपील की है।

उत्तर भारत में सूरज उगल रहा आग, यूपी के बांदा में पारा 48 पर पहुंचा

-भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 के बीच तापमान बना रहने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तर भारत में भीषण गर्मी जारी है। उत्तर भारत आग की भट्टी में तब्दील हो गया है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री से पार है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। लू की तेज हवाएं तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को देश के करीब 50फीसदी हिस्से में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यूपी, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, विदर्भ और ओडिशा जैसे राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही है। यूपी के बांदा में सबसे ज्यादा तापमान 48.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं सबसे ज्यादा गर्मी यूपी, मध्य प्रदेश और विदर्भ (महाराष्ट्र) के इलाकों में पड़ रही है। बांदा, खजुराहो, वर्धा, रोहतक और नागपुर जैसे शहर इस समय सूरज की तपिश में जल रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मई के अंत तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। उत्तर-पश्चिम भारत, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बना रहने की संभावना है। लू की स्थिति भी जारी रहेगी। इस भीषण गर्मी में दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और सड़क पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर न निकलने, खूब पानी पीने, ओआरएस लेने और हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है। सरकार और प्रशासन भी हाई अलर्ट पर हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, पशुओं के लिए छाया और पानी की व्यवस्था जैसी तैयारियां की जा रही हैं। उत्तर भारत इस समय वाकई आग की भट्टी बना है। अगले कुछ दिनों में अगर कोई ठंडी हवा या प्री-मानसून की बारिश नहीं हुई तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर तीखा पलटवार: कांग्रेस अब माओवादी, मुस्लिम पार्टी

खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। राहुल गांधी पर तीखा पलटवार कर उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब वह पार्टी नहीं रही, बल्कि एक माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस में बदल गई है। यह बयान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले दिया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि मंत्रिपरिषद की यह बैठक पहले से ही तय थी और इस राहुल गांधी के बयानों के जवाब में नहीं बुलाया गया था, क्योंकि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित रूप से होती रहती हैं। कांग्रेस नेता पर सीधा हमला कर केंद्रीय मंत्री सिंह ने दावा किया कि देश में राहुल गांधी की पकड़ कमजोर हो गई है और कांग्रेस का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी को बार-बार अपशब्द कहने का आरोप लगाया, लेकिन कहा कि इन तमाम गालियों के बावजूद देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री मोदी को पंसद करती है। राहुल गांधी पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि वे खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए जिस भाषा का राहुल गांधी ने इस्तेमाल किया है, वह किसी विपक्ष के नेता के लिए कतई उपयुक्त नहीं है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने राष्ट्रीय संकटों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व का बचाव किया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर संकट में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं और आगे भी ऐसा ही होगा। गिरिराज सिंह की यह तीखी प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के बाद आई है। राहुल गांधी ने चेतावनी दी थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अशांति के कारण भारत पर आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री देश को इसतरह के संकट के लिए तैयार करने में विफल रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ हुई मुलाकात पर कटाक्ष कर कहा था कि प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ टॉफियां खा रहे थे और वीडियो बना रहे थे, जबकि देश पर संकट मंडरा रहा था।

अमरनाथ यात्रा : 3.6 लाख से अधिक पंजीकरण, दुर्गम रास्तों पर तैयारियां तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। अब तक 3.6 लाख से अधिक भक्त अपना पंजीकरण करा चुके हैं, और प्रशासनिक अधिकारियों को उम्मीद है कि यह संख्या 5 लाख के आंकड़े को छू सकती है। 57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। इस यात्रा के दोनों मार्गों बालटाल-सोनमर्ग और नुनवान-पहलगाम पर अभी भी कई स्थानों पर 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है। हालांकि, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इन दुर्गम रास्तों को बहाल करने में तेजी से जुटा है। बीआरओ के अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों मार्ग यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे और अब पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की निर्धारित शाखाओं के माध्यम से व्यक्तिगत या छोटे समूहों के लिए जारी हैं, जबकि 5 से 30 लोगों के समूह के लिए पंजीकरण बुधवार को बंद हो गए। इस साल श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बेस कैंप में पारंपरिक टेंट की जगह अब प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं।

सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने पर एक करोड़ का रखा ईनाम

- बाद में धमकाने वाले भाजपा नेता ने खेद जताया

सिकंदराबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने वाले को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा करने वाले उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता और सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. प्रदीप दीक्षित अब अपने बयान से बैकफुट पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो वायरल होने और चौतरफा घिरने के बाद उन्होंने बुधवार शाम एक नया वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया है।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बुलंदशहर के सिकंदराबाद में करीब पांच दिन पहले आयोजित एक धर्म ध्वज यात्रा के दौरान डॉ. प्रदीप दीक्षित ने यह भड़काऊ बयान दिया था। वीडियो सामने आने के बाद राजनीति गर्मा गई। टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने इसे एक महिला जनप्रतिनिधि को दी गई खुली धमकी करार दिया। सायोनी घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी को टैग करते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस से इस मामले में तत्काल कड़ी कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं हैं और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाती रहेंगी। दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2015 की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट (शिवलिंग पर कथित कार्टून) से जुड़ा है। सायोनी घोष ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह पोस्ट उन्होंने नहीं की थी और उस समय वह महज 22 वर्ष की थीं। वह इस विषय पर पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी हैं और सभी धर्मों का सम्मान करती हैं।

भाजपा नेता ने दी सफाई

सांसद सायोनी घोष के कड़े रुख और पुलिस कार्रवाई की मांग के बाद भाजपा नेता डॉ. प्रदीप दीक्षित ने बैकफुट पर आते हुए बुधवार शाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सायोनी घोष उस पुरानी विवादित तस्वीर को लेकर पहले ही खेद जता चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की हिंसा के समर्थक नहीं हैं। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए लोगों से अपील की कि न तो किसी को हिंसा की बात करने का अधिकार है और न ही किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का।

बंगाल के मदरसों में गाना पड़ेगा वंदे मातरम

-शुभेंदु सरकार ने जारी किए आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी मदरसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में मदरसा शिक्षा निदेशालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि पहले के सभी निर्देशों और प्रथाओं को निरस्त करते हुए अब राज्य के मदरसों में दैनिक कक्षाएं शुरू होने से पहले होने वाली सुबह की प्रार्थना में 'वंदे मातरम्' गाना बेहद जरूरी होगा।

यह नया नियम राज्य के सभी सरकारी मॉडल मदरसों (इंग्लिश मीडियम), मान्यता प्राप्त सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों, अप्रूव्ड एमएसके, अप्रूव्ड एसएसके और मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसों पर समान रूप से लागू होगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में सख्ती से लागू किया जाए। मदरसा शिक्षा निदेशक की तरफ से इस आदेश की प्रतिलिपि सभी जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों, पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन और अन्य संबंधित विभागों को अनुपालन के लिए भेज दी गई है। आदेश में बताया गया है कि इसे सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद ही जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर का दर्जा देने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस फैसले का मुख्य उद्देश्य वंदे मातरम् को भी उसी कानूनी दायरे में लाना है, जिसके तहत अभी राष्ट्रगान को सुरक्षा और सम्मान मिला हुआ है। इस नए प्रस्तावित संशोधन के लागू होने के बाद, देश में वंदे मातरम गाए जाने के दौरान किसी भी तरह का अपमान करना या उसमें बाधा डालना एक संज्ञेय अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। मौजूदा कानूनी नियमों के तहत, यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर राष्ट्रगान गाने से रोकता है या उसमें किसी प्रकार का व्यवधान पैदा करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों भुगतने पड़ सकते हैं। वहीं, बार-बार इस अपराध को दोहराने वालों के लिए कम से कम एक साल की अनिवार्य जेल का प्रावधान है। अब यही कड़े कानूनी प्रावधान और सजा वंदे मातरम् के अपमान पर भी लागू होंगे।

ट्रेनों में हो रही लगातार आग की घटनाएं किसी साजिश का हिस्सा हैं?

-रेलवे ने किया खुलासा, असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाल के दिनों में ट्रेनों में अचानक आग लगने की घटनाओं को लेकर खुलासा किया है। रेलवे ने बुधवार को इन हादसों को महज इत्तेफाक या तकनीकी खराबी मानने के बजाय, इसके पीछे साजिश की आशंका जताई है। आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया है कि अब तक हुई जांच के नतीजे असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर साफ इशारा कर रहे हैं। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे में हड़कंप मच गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे प्रशासन ने खासतौर पर चार अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं का जिक्र किया है, जिन्होंने सुरक्षा तंत्र की नींद उड़ा दी है। इनमें राजस्थान के अमरपुरा और कोटा में सामने आई घटनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, बिहार के सासाराम और पश्चिम बंगाल के हावड़ा में भी ट्रेनों में भड़की आग ने इस शक को और पुख्ता कर दिया है कि इसके पीछे कोई साजिश हो सकती है। रेलवे का कहना है कि इन सभी घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमरपुरा में जहां ट्रेन के बेडरोल में आग लगाने की कोशिश की गई, वहीं हावड़ा की घटना में तो कोच के बाथरूम से पेट्रोल से सना हुआ एक कपड़ा बरामद हुआ है, जिसने साजिश के शक को और पुख्ता कर दिया है। इसी तरह कोटा में राजधानी एक्सप्रेस के बाथरूम से लपटें उठती देखी गईं। वहीं, बिहार के सासाराम स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर खड़ी सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन के एक खाली कोच में किसी अज्ञात शख्स ने कोई जलती हुई चीज फेंक दी। हालांकि, शुरुआती जांच में सासाराम की घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट का अंदेशा जताया गया था, लेकिन अब इसमें भी तोड़फोड़ का एंगल सामने आ रहा है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद रेलवे प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। मामलों की तह तक जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरपीएफ की स्पेशल टीमें हर मामले की हर एंगल से बारीकी से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि देश की जीवनरेखा माने जाने वाले रेलवे नेटवर्क को निशाना बनाने के पीछे किन लोगों का हाथ है। इन घटनाओं के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों से भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है। रेलवे ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अलर्ट और सुरक्षित रहें। अगर आपको ट्रेन या स्टेशन पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो बिना कोई देर किए तुरंत रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सूचना दें।

बकरीद को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

शांति, सौहार्द और सुरक्षा के साथ मनाया जाएगा बकरीद पर्व, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आगामी बकरीद-2026 पर्व के अवसर पर जिले में शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, नगर निकाय, विद्युत विभाग, पेयजल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग, उत्पाद विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। वहीं बैठक का उद्देश्य बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराना था। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा, अफवाह अथवा विधि-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं संवेदनशील है तथा पर्व के दौरान नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वहीं बैठक में उपायुक्त ने सर्वप्रथम जिले के सभी थाना क्षेत्रों अंतर्गत नमाज अदा किए जाने वाले स्थानों की जानकारी ली। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें। साथ ही सभी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरा एवं सीसीटीवी कैमरा से विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यों के साथ नियमित संवाद स्थापित रखें ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही उपायुक्त ने पुलिस प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि पर्व के दौरान सभी प्रमुख चौक-चौराहों, ईदगाहों, मस्जिदों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्ती अभियान चलाने एवं संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया। वहीं त्योहार के दौरान युवाओं द्वारा बाइक पर खतरनाक एवं अनियंत्रित ड्राइविंग पर पूर्णतः रोक लगाने का निर्देश दिया गया। ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर भारी जुमार्ना लगाने तथा संबंधित वाहनों को तत्काल जब्त करने का निर्देश दिया गया। वहीं उत्पाद अधीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारीयों को निर्देशित किया गया कि पर्व से तीन दिन पूर्व से ही अवैध शराब एवं युवाओं में बढ़ते अन्य नशों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाकर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए। साथ ही बैठक में सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक अथवा अन्य सोशल मीडिया माध्यमों से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले या भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के विरुद्ध कठोरतम निरोधात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी भी माध्यम से थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी अथवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को ऐसे किसी कंटेंट की जानकारी प्राप्त होती है, तो तत्काल संज्ञान लेते हुए प्राथमिक की दर्ज कर अग्रेतर तक विधिक कार्रवाई की जाए। साथ ही उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बीएनएसएस के तहत असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर थाना स्तर से अनुमंडल पदाधिकारी न्यायालय को प्रतिवेदन भेजा जाए ताकि समय पर बांड डाउन की प्रक्रिया पूरी कराई जा सके। साथ ही बैठक में साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था की भी विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने तीनों नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ईदगाहों, मस्जिदों एवं सार्वजनिक स्थलों के आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाए ताकि पर्व के दौरान जलजमाव अथवा गंदगी की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। वहीं कचरा निस्तारण वाहनों को सुबह से ही सक्रिय रखने तथा साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संख्या में पानी के टैंकर उपलब्ध कराने तथा सफाईकर्मियों एवं कचरा वाहनों में ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। जलजमाव वाले क्षेत्रों एवं नालियों की ब्लॉकिंग को पूर्व से ही अनब्लॉक करने का भी सख्त निर्देश दिया गया। साथ ही पेयजल विभाग को सभी क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सदर अस्पताल में आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाओं के साथ विशेष मेडिकल टीम को मुस्तैद रखने का निर्देश दिया गया। वहीं बैठक में अग्निशमन विभाग को भी पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में फायर टेंडर (अग्निशमन वाहन) एवं आवश्यक उपकरणों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। वहीं परिवहन विभाग को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। प्रमुख मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि बिना सक्षम प्राधिकार की लिखित पूर्व स्वीकृति के कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी मुख्यालय छोड़कर बाहर नहीं जाएगें। वहीं जिला नियंत्रण कक्ष को 247 सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया, जहां से खैरियत रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सभी विभागों के नोडल पदाधिकारी अपने मोबाइल फोन लगातार चालू रखें तथा समन्वय स्थापित कर कार्य करें। साथ ही उपायुक्त ने कड़ा निर्देश दिया कि अनुमंडल स्तर तथा थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें अनिवार्य रूप से 25 तारीख तक पूर्ण कर ली जाएं। इन बैठकों में विभिन्न समुदायों के प्रबुद्ध स्थानीय प्रतिनिधियों एवं सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। थाना स्तरीय बैठकों में अंचलाधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होगी तथा यथावश्यक अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इन बैठकों का नेतृत्व करेंगे। वहीं बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने सभी से आपसी सौहार्द एवं भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले की पहचान सामाजिक समरसता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के लिए रही है तथा इसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है तथा सभी के सहयोग से बकरीद पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, शांति समिति के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की 17वीं पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड अंतर्गत झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली के आवास परिसर में गुरुवार को स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की 17वीं पुण्यतिथि श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। जानकारी के अनुसार झामुमो कार्यकताओं ने स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के तैल्य चित्र पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने कहा कि स्वर्गीय दुर्गा सोरेन आज हमारे बीच नहीं है। लेकिन उनके विचार,संघर्ष और जनहित के लिए किए गए कार्य सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य एखलाखुर रहमान ने कहा कि स्वर्गीय दुर्गा सोरेन ने समाज और संगठन को नई दिशा देने का कार्य किया था। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और जनसेवा का प्रतीक रहा है। उनके विचार और जन-सरोकार की भावना हमेशा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, कोषाध्यक्ष अब्दुल शेख, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अनवारूल हक, साबिना आसमिन, सकल हेंब्रम, वर्णवास सोरेन, कीनू सोरेन, जैनुल आबेदीन, आलम शेख, मदन मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

आइआरएडी /ईडीएआर प्रणाली पर विशेष प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा को मिलेगा बल

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित एनआईसी कार्यालय में आइआरएडी /ईडीएआर प्रणाली पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों का त्वरित डेटा प्रबंधन, पीड़ितों को समय पर मुआवजा दिलाना तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारियों को ईडीएआर प्रणाली के माध्यम से दुर्घटना पीड़ितों को निर्धारित समय सीमा में मुआवजा उपलब्ध कराने, आइआरएडी /ईडीएआर पोर्टल पर दुर्घटना संबंधी आंकड़ों की शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा हिट एंड रन मामलों के प्रभावी प्रबंधन की जानकारी दी गई। साथ ही एल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर के उपयोग और गुड समैरिटन (नेक नागरिक) प्रावधानों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर बरहेट थाना प्रभारी विजय कुमार रमणी, अनुसंधान पदाधिकारी, आइआरएडी /ईडीएआर मैनेजर मनोज कुमार, एनआईसी प्रतिनिधि एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रणाली सड़क दुर्घटना मॉनिटरिंग और पीड़ित सहायता प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाएगी।

संक्षिप्त खबरें

जदयू की प्रमंडलीय बैठक मे संगठन मजबूती पर होंगी चर्चा

साहेबगंज । जदयू के जिलाध्यक्ष सुनील सिन्हा की अध्यक्षता में साहेबगंज पार्टी कार्यालय मे बैठक आयोजित किया गया।वहीं बैठक मे शुक्रवार को होने वाला जदयू की प्रमंडलीय बैठक पर चर्चा किया गया। वहीं जिला अध्यक्ष सुनील सिन्हा ने बताया कि एलसी रोड स्थित छोटी धर्मशाला में 11 बजे जदयू की प्रमंडलीय बैठक होगी। इसमें संताल परगना के सभी छह जिलों के जिला अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। वहीं बैठक मे जदयू को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति तय की जाएगी। साथ ही सुनील सिन्हा ने कहा कि बैठक में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य खीरू महतो, वरिष्ठ विधायक सरयू राय, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व मंत्री राजा पीटर, पूर्व विधायक कामेश्वर दास शामिल होंगे। मौके पर साधु रविदास, जलील अहमद, वेदानंद झा, शेषनाथ यादव, शिव शंकर पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, सदर अस्पताल में मरीजों के बीच बांटे फल

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व मे भारत रत्न भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की 35 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने आधुनिक भारत के निमार्ता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर देश के विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह साहेबगंज जिला प्रभारी डॉ मुन्नम संजय मुख्य रूप से उपस्थित रहे।सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्व. राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा की समाप्ति के पश्चात जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में सभी कांग्रेसजन साहेबगंज सदर अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने भर्ती मरीजों के बीच फल वितरण किया और अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा स्व. राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत की नींव रखी। कहा कंप्यूटर क्रांति, पंचायती राज, 18 वर्ष में मताधिकार और दूरसंचार क्रांति उनकी दूरदर्शिता का परिणाम है।साहेबगंज जिला कांग्रेस उनके 'नव भारत' के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।आज हमने सदर अस्पताल में फल बांटकर उनके 'सेवा ही धर्म' के संदेश को आगे बढ़ाया है।कांग्रेस गठबंधन सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है, हमारा प्रयास है कि राजीव जी के विजन के अनुरूप हर गरीब को बेहतर इलाज मिले।प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह जिला प्रभारी डॉ मुन्नम संजय ने कहा कि राजीव जी शहादत दिवस हमारे लिए संकल्प दिवस है।उन्होंने देश को दुनिया की महाशक्ति बनाने का जो सपना देखा था,उसे कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता पूरा करेगा। साहेबगंज की यह 50 सदस्यीय नई टीम बूथ स्तर तक उनके विचारों को ले जा रही है।झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार जनता की सेवा में लगी है। सदर अस्पताल का दौरा कर हमने मरीजों का हाल जाना है।हमारी सरकार राजीव जी के रास्ते पर चलकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता दे रही है।साहेबगंज के कार्यकताओं का जोश बता रहा है कि 2029 में भी जनता का आशीर्वाद कांग्रेस को ही मिलता रहेगा। मौके पर अनुकूल चन्द्र मिश्रा, मुर्शादअली, मो.कलीमुद्दीन,बासुकीनाथ यादव, उमेश पाण्डेय, सुनील पासवान, सरफराज आलम, नित्यानंद गुप्ता, राम श्रृंगार ओझा, रिजवान अंसारी, मो.सलाहुद्दीन, नूरजहां बीबी, उमेश तिवारी, दिलीप गुप्ता, कद्दाफी मुर्शाद, जामुन दास, अली कुरैशी, सतीश पासवान, अल्ताफ हुसैन, परवेज आलम, शब्दुल अंसारी, नौशाद अंसारी, सुभाष, हरिचरण पासवान, जाहिद आलम सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुर्गा सोरेन की 19वीं पुण्यतिथि पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शहर के मछुआ सोसाइटी परिसर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नगर अध्यक्ष आदित्य यादव के नेतृत्व में झारखंड के वीर सपूत एवं झामुमो के संघर्षशील नेता तथा जामा विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर झामुमो कार्यकताओं ने स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि दुर्गा सोरेन ने झारखंड आंदोलन और राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके संघर्ष और विचार आज भी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष सुरेश प्रसाद शाह, प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, आफताब आलम, दीपा देवी, सिद्धिनाथ शर्मा, अभिषेक कुमार, मोहम्मद जमालुद्दीन, सरिता देवी, वारिस अनवर, शाह कमर, सोहेल, मोहम्मद शाहिद, विनोद यादव, विनीत कुमार, बबलू यादव, आलोक ओझा, पिंकू मंडल, विवेक ओझा, सोनू सिंह, अंकित तंबाकूवाला, राहुल जायसवाल, वरुण तंबाकूवाला, हलचल, पीयूष कुमार यादव, रंजीत कुमार दास, सुभाष कुमार, मुकेश दास सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रांची में उच्च स्तरीय बैठक में मॉडल कॉलेज की क्लस्टरिंग एवं शैक्षणिक संरचना पर अहम फैसले

बिभा संवाददाता

राजमहल । रांची में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में मॉडल कॉलेज राजमहल साहेबगंज से संबंधित क्लस्टरिंग व्यवस्था, विषय संचालन और शैक्षणिक संरचना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विद्यार्थियों के हित, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की बहुविषयक शिक्षा व्यवस्था को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वही मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुदिव्या कुमार सोनू, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री राहुल पुरवार तथा राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।साथ ही प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि बैठक अत्यंत सकारात्मक एवं सार्थक रही। इसमें यह आश्वासन प्राप्त हुआ कि मॉडल कॉलेज राजमहल में सभी विषयों की पढ़ाई पूर्ववत महाविद्यालय परिसर में ही संचालित होती रहेगी। साथ ही, उन्होंने भूगोल, संथाली एवं उर्दू जैसे महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई महाविद्यालय में प्रारंभ एवं सुनिश्चित किए जाने के निर्णय का स्वागत किया। वही डॉ. सिंह ने कहा कि यह निर्णय विशेष रूप से सुदूरवर्ती, जनजातीय एवं शैक्षणिक रूप से वंचित क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण एवं बहुविषयक उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी तथा जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बल मिलेगा। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि माननीय सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के संवेदनशील नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं छात्रहितैषी दृष्टिकोण से क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों में नई आशा एवं विश्वास का संचार हुआ है। यह पहल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विस्तार, सामाजिक समावेशन तथा शैक्षणिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। वही प्राचार्य ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत अब दो तरह की शिक्षा झ एक डिग्री प्राप्त करने के लिए और दूसरी शोध, नवाचार एवं चुनौतियों के समाधान के लिए झ देना आवश्यक होगा। वही अंत में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने महाविद्यालय परिवार की ओर से पुनः माननीय मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, प्रधान सचिव एवं स्थानीय विधायक का विशेष धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह निर्णय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं क्षेत्र में उच्च शिक्षा के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महाविद्यालय को सरकार एवं जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

ब्रह्मपुत्र मेल से 2.1 किलो अफीम बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

दिल्ली पहुंचाने के लिए रंगिया से ले जा रहे थे 2.1 किलो अफीम, बरहरवा स्टेशन पर दबोचे गए तस्कर

बिभा संवाददाता

बरहरवा । भारतीय रेलवे के माध्यम से मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ एवं सीआईबी मालदा की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2.1 किलोग्राम संदिग्ध अफीम बरामद की है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपीएस बरहरवा को सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 मई 2026 को मादक एवं साइकोट्रोपिक पदार्थों की तस्करी संबंधी गुप्त सूचना मिलने पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के निर्देशन में विशेष जांच एवं निगरानी अभियान चलाया गया। अभियान में आरपीएफ एवं सीआईबी मालदा की संयुक्त टीम शामिल थी। संयुक्त टीम ने ट्रेन संख्या 15658 डाउन ब्रह्मपुत्र मेल के बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कोच संख्या बी-5 की बर्थ संख्या 39 पर यात्रा कर रहे दो व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम रुबुल अली और सहलम अली बताया। कहा पूछताछ के दौरान रुबुल अली ने स्वीकार किया कि उसने अपने पेट के चारों ओर भूरे रंग के एडहेसिव टेप से अफीम बांध रखी है, जबकि सहलम अली उसका सहयोगी है। इसके बाद दोनों को ट्रेन से उतारकर प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित एफओबी न्यू फरक्का छोर के पास लाया गया और एनडीपीएस एक्ट के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। वहीं स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में धारा 50 एनडीपीएस एक्ट का पालन करते हुए तलाशी लेने पर रुबुल अली के कब्जे से दो पैकेटों में कुल 2.1 किलोग्राम संदिग्ध अफीम बरामद हुई। इसकी अनुमानित अवैध बाजार कीमत करीब 10 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। वहीं सहलम अली के पास से एक वीवो मोबाइल फोन तथा दैनिक उपयोग का सामान भरा बैकपैक बरामद हुआ। साथ ही कहा कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे रंगिया से दिल्ली जा रहे थे और उक्त मादक पदार्थ दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक अज्ञात व्यक्ति को पहुंचाना था। इसके बदले उन्हें 10-10 हजार रुपये मिलने थे। वहीं कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी से पूर्व उन्हें उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई तथा परिजनों को भी सूचित किया गया। बाद में जब्त सामान, जब्ती सूची एवं अन्य दस्तावेजों के साथ दोनों आरोपियों को अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपी बरहरवा को सौंप दिया गया।

वैभव सूर्यवंशी की काबिलियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता: संजय बांगड़

नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जहां विपक्षी टीम के गेंदबाजों दहशत मचा रखी है, फैंस और विश्लेषकों को अपना मुरीद बना लिया है। मंगलवार को जयपुर में लखनऊ सुपर जांयट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के इस सलामी बल्लेबाज ने 38 गेंदों पर 93 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव की इस पारी को देखने के बाद टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने उनकी जमकर तारीफ की है। संजय बांगड़ ने कहा कि जब भी वह सूर्यवंशी को खेलते हुए देखते हैं, तो उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। जियोस्टार पर संजय बांगड़ ने कहा, 'इस लड़के की क्षमता को समझा सके, उसके लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। मैं उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। कुछ शॉट तो बहुत बढ़िया थे, कम से कम इतना तो कह ही सकते हैं। लगातार कवर बाउंड्री के ऊपर से हिट करना, पेस के खिलाफ, स्पिन के खिलाफ, और जब भी बॉल शॉर्ट में डग की गई, वह बहुत बढ़िया था। 'बांगड़ ने आगे कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स लाइन-अप में सारे गेंदबाज 145 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। इससे इस बच्चे को कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने सच में एक मास्टरक्लास और शानदार वैभव सूर्यवंशी पारी खेली। जबरदस्त मनोरंजन हुआ। वह जहां भी जाएगा और जहां भी खेलेगा, पक्का भीड़ खींचेगा। '

अभिषेक से आगे पहुंचा आरआर का धुरंधर

200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे-
आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं। केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं।

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को बड़ी राहत, चेक बाउंस मामले में बरी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चेक बाउंस मामले में बड़ी राहत मिली है। शमी को अलीपुर कोर्ट ने उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर चेक बाउंस मामले में बरी कर दिया है। क्रिकेटर मोहम्मद की पूर्व पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी द्वारा घर के खर्च के लिए दिया गया 1 लाख रुपए का चेक बाउंस हो गया था। बुधवार को अलीपुर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए इस मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया है। 'आईएएनएस' से ??बात करते हुए, शमी के वकील सलीम रहमान ने कहा, 'क्रिकेटर मोहम्मद शमी को चार साल पुराने उस मामले में बरी कर दिया गया है, जिन्हें उनकी पत्नी ने दायर किया था।' इस मामले की सुनवाई बुधवार को अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में हुई, जहां शमी को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।उल्लेखनीय है कि साल 2018 में, हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी ने उन्हें घरेलू खर्चों के लिए 1 लाख रुपए का चेक दिया था, जो बाद में बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया और शमी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस मामले के अलावा, उन्होंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज कराई थीं।बुधवार को शमी कोर्ट में पेश हुए। फैसले के बाद मीडिया से बात करते हुए शमी ने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि फैसला उनके पक्ष में आएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जितने भी पैसे देने थे, मैंने उसका एक-एक रुपया चुका दिया है। चाहे मैदान के अंदर की बात हो या बाहर की, मैं हमेशा हर स्थिति को अपनी पूरी क्षमता से संभालने की कोशिश करता हूं। 'शमी फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपनी अलग रह रही पत्नी के साथ चल रहे कानूनी विवादों के चलते वे लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

लिटन दास और रिजवान भिड़े! बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया जमकर स्लेज

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई। तब पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 259 रन था। पाकिस्तान की दूसरी पारी के 72वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद पर जब तैजुल ने अपना रनअप लिया तो रिजवान क्रीज से हट गए और साइट स्क्रीन की ओर इशारा करने लगे। तब रिजवान के साथ सलमान आगा क्रीज पर थे। जैसे ही रिजवान ने साइट स्क्रीन की ओर इशारा किया, विकेटकीपिंग कर रहे लिटन भड़क गए।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज

इस घटना के बाद तो पूरी बांग्लादेशी टीम रिजवान को स्लेज करने लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ी ज्यादा आक्रामक नजर आए और रिजवान को खूब स्लेज किया। जैसे ही तैजुल ने ओवर की पांचवीं गेंद डाली, स्टंप माइक पर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- थोड़ा रन कर लिया है, अभी एक्टिंग चालू हो जाएगा। फिर दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- बहुत ज्यादा एक्टिंग हो रही है, बहुत ज्यादा एक्टिंग। तैजुल की आखिरी गेंद से पहले रिजवान का ध्यान भंग हुआ और वह फिर से क्रीज से हट गए। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर रिजवान ने एक रन लिया। बांग्लादेशी खिलाड़ी यहां भी नहीं रुके। किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- चलो भाई, बॉलीवुड में जगह मिल जाएगी इसे। तो इस पर एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- नहीं भाई। उधर इसे जगह नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही रिजवान फिर अंपायर के पास पहुंचकर शिकायत करते दिखे। फिर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- इस ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। 50 पैसे। एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- एक हफ्ते बाद इसकी ट्रेनिंग है भाई बॉलीवुड में।

प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में

केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरन ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा।

वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ब्राजील को झटका; नेमार जूनियर फिर हुए चोटिल

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था।

उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं। वह कैस्टिलो, जल्मा सैंटोस, निल्टन सैंटोस, पेले, एमर्सन लीओ, कैफू, रोनाल्डो और थियागो सिल्वा के साथ सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ब्राजील के खिलाड़ी बन जाएंगे।नेमार के पास पेले के साथ जुड़ने और चार अलग-अलग वर्ल्ड कप में ब्राजील की नंबर 10 शर्ट पहनने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का भी मौका है। विश्व कप में नेमार ने 13 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट किए हैं। ब्राजील अपने अभियान का आगाज 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में टीम की भिड़ंत हैती और स्कॉटलैंड से होगी।

खूँटी ट्रेजरी घोटाला : एसआईआरबी-2 कैंप से 22.69 लाख की अवैध निकासी का खुलासा

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखंड में लगातार सामने आ रहे ट्रेजरी घोटालों के बीच अब खूँटी जिले से भी कोषागार से अवैध निकासी का बड़ा मामला सामने आया है। सारिदकेल स्थित एसआईआरबी-2 कैंप में लाखों रुपये की अवैध निकासी का खुलासा होने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले को गंभीर मानते हुए प्रशासन ने जांच तेज कर दी है और खूँटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2019 से अगस्त 2021 के बीच एसआईआरबी-2 बटालियन से कुल 22 लाख 69 हजार 657 रुपये की अवैध निकासी की गई। इस पूरे मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय टीम ने अपनी रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता की पुष्टि की है। जांच रिपोर्ट के अनुसार कुल 28 बार राशि निकाली गई, जिसमें 26 बार वेतन मद और दो बार यात्रा मद से निकासी हुई।

आँकड़ों के मुताबिक वर्ष 2019-20 में सात बार में 43 हजार 696 रुपये, वर्ष 2020-21 में 18 बार में 13 लाख 32 हजार 294 रुपये तथा वर्ष 2021-22 में तीन बार में 3 लाख 93 हजार 667 रुपये की अवैध निकासी की गई।

ट्रेजरी ऑफिसर शिवकुमार सिंह द्वारा बताया गया कि मामले की प्रारंभिक जानकारी मिलने के बाद उपायुक्त ने संबंधित कमांडेंट को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा था। हालांकि अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच दल का गठन कर विस्तृत अनुसंधान कराया। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद बुधवार को खूँटी थाना में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पूरे मामले की जांच कराई गई, जिसमें अवैध निकासी की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अब जांच इस बात पर भी केंद्रित है कि निकासी की प्रक्रिया किन अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से पूरी की गई। प्रशासनिक स्तर पर वित्तीय दस्तावेजों और भुगतान प्रक्रिया की भी गहन जांच जारी है।

गंसु डोभा से युवक का शव बरामद, लोग लगा रहे हत्या की आशंका

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रचलित पर्यटन स्थल पंचघाघ स्थित गंसू डोभा में वृहस्पतिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। युवक का शव सड़ा गला हुआ स्थिति में तैरता नजर आया तभी किसी ने देखा तो आग की तरह बातें फैल गयी और फिर लोग शव को देखने आसपास से पहुँचने लगे। तभी मामले की जानकारी मुरहू थाना को दी गयी। जिसकी जानकारी पाकर थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे ।

जानकारी के अनुसार, लोगों ने जब युवक का शव को देखा तो हड़कम्प मच गया। जिसकी चर्चा होने लगी कि किसी ने मारकर गंसू डोभा में फेंक दिया होगा या फिर नहाने के क्रम में युवक डूब गया होगा। समाचार लिखे जाने तक युवक के शव की पहचान नहीं मिल पायी थी। वहीं पुलिस शव की पहचान के लिए लगी हुई है।

बता दें कि, विगत 11 मई को खूँटी थाना क्षेत्र अंतर्गत डड़गमा गाँव में नाले पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया था , जिसकी पहचान भी अभी तक नहीं हो पायी है। वहीं कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत काटमकुकू के निकट जंगल से भी दो अलग अलग स्थानों पर शव पाया गया था । जिन्हें भी हत्या करके फेंक दिया गया था। वहीं तोरपा थाना क्षेत्र के जंगल से भी एक अज्ञात युवती का जला शव बरामद किया गया था । उसकी भी पहचान नहीं हो पायी है। इस प्रकार खूँटी जिले में हत्या का दौर चला हुआ है और इस प्रकार पहचान छिपाने के लिए शव को इस प्रकार फेंक दिये जाने से अब तक कई शवों की पहचान पुलिस नहीं कर पायी है।

संक्षिप्त खबरें

रांची पुलिस का नया कदम : ट्रैफिक जवानों के लिए कूलिंग जैकेट का ट्रायल शुरू

रांची(बिभा) : भीषण गर्मी में ट्रैफिक ड्यूटी कर रहे जवानों को राहत देने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से रांची पुलिस ने अत्याधुनिक ह्वकूलिंग जैकेटह्व का ट्रायल शुरू किया है। यह पहल पुलिस कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर कार्य प्रदर्शन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इन विशेष जैकेटों में इन-बिल्ट फैन सिस्टम लगाया गया है, जो लगातार हवा का प्रवाह बनाकर शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इससे ट्रैफिक पुलिसकर्मी लंबे समय तक गर्मी में भी अधिक आरामदायक और सक्रिय तरीके से अपनी ड्यूटी निभा सकेंगे। जैकेट को पावर बैंक से संचालित किया जाता है और एक बार चार्ज होने पर यह लगभग 8 घंटे तक लगातार कार्य कर सकता है। इसके साथ ही जैकेट का कपड़ा एसपीएफ 50 सुरक्षा प्रदान करता है, जो तेज धूप और हानिकारक किरणों से सुरक्षा देता है। रात के समय ड्यूटी के दौरान जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसमें रिफ्लेक्टिव रेडियम स्ट्रिप्स भी लगाई गई हैं, जिससे दूर से ही उनकी पहचान आसानी से हो सके। फिलहाल रांची पुलिस द्वारा 5 कूलिंग जैकेटों का ट्रायल शुरू किया गया है। ट्रायल सफल होने और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद भविष्य में और जैकेट खरीदने की योजना है। रांची पुलिस की यह नई पहल न केवल जवानों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुलिस व्यवस्था को और अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा रहा है।

शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली देवासी को विधानसभाध्यक्ष ने किया सम्मानित

रांची(बिभा)। थाईलैंड में आयोजित इंटरनेशनल एयर गन राइफल शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर अंतर्राष्ट्रीय पटल पर देश और राज्य का नाम रोशन करने वाली, नाला क्षेत्र के कुंडहित की देवासी हेम्ब्रम को झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय कक्ष में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने देवासी को शॉल ओढ़ाकर, स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनकी ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की। मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने देवासी के माता-पिता के साथ-साथ उनके परिजनों और उनके प्रशिक्षक (कोच) को भी इस सफलता की बधाई दी। उन्होंने कहा कि देवासी हेम्ब्रम ने अपनी कड़ी मेहनत, कड़े अनुशासन के बल पर यह अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है, झारखंड की बेटियां खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छूकर राज्य का मान बढ़ा रही हैं। उनकी यह जीत राज्य की अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए एक महान प्रेरणा बनेगी। इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार भी उपस्थित थे।

भाजपा का प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण के लिए खूँटी में दो दिवसीय शिविर लगेगा

खूँटी(बिभा) । आगामी 23 मई को भारतीय जनता पार्टी खूँटी जिले में प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगी। यह प्रशिक्षण शिविर दो दिवसीय होगा जो 24 मई की शाम को समाप्त होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में राज्य के विभिन्न जिलों से भाजपा कार्यकर्ता पहुंचेंगे। भाजपा के खूँटी प्रखंड अध्यक्ष रुक्मिला सारु ने बतायी कि इस शिविर में महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को प्रशिक्षण में शामिल होना है। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ने बतायी कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए शुल्क रखा गया है। उक्त प्रशिक्षण शिविर कई सत्रों में चलेगा। जिसमें अनेक वरिष्ठ अनुभवी प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं सत्रानुसार , प्रशिक्षक जानकारी साझा करेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में प्रातः एवं शायं शाखा भी लगेगी। जिसमें देशभक्तित्व की अनुभूति कराएगी। इसके लिए अनेक कार्यकर्ता शिविर को सफल बनाने के लिए सहयोग करेंगे।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

खूँटी(बिभा) । भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। इस दौरान कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उन्हें आधुनिक भारत का स्वप्नदृष्टा बताते हुए सूचना प्रौद्योगिकी, पंचायती राज और युवाओं को मताधिकार देने में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम के बाद जिला अस्पताल में फल वितरण तथा कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा रक्तदान भी किया । इस रक्तदान शिविर में रवि मिश्रा, देवजीत देवघरिया सहित अनेक लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर , स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा, रक्त कोष प्रभारी व सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव, कांग्रेस कांग्रेस नेता अनमोल होरो, आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

विधायक ने इंटर व मैट्रिक के टॉपर को 10-10 हजार रूपया देकर किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

हिरणपुर। प्रखंड के प्लस टू विद्यालय हिरणपुर में गुरुवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने इंटरमीडिएट और मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विधायक के विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाध्यापक रमेश गोस्वामी के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हेमलाल मुर्मू, झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिता पूर्ति, बीडीओ टुडू दिलीप एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इंटर एवं मैट्रिक परीक्षा में जिला में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले 10 छात्र-छात्राओं को शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं इंटर कला संकाय की जिला टॉपर अनीसा नाज, मैट्रिक की जया कुमारी और अमन मरांडी को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। इसके अलावा अन्य सात मेधावी विद्यार्थियों को पांच-पांच हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया गया। विधायक हेमलाल मुर्मू ने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि शिक्षा ही सफलता का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राएं भी अपनी प्रतिभा के दम पर जिला और राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं।

झामुमो ने मनाई दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि

लिट्टीपाड़ा। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गुरुवार को स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की 17वीं पुण्यतिथि मनाई। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। उधर लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रुडगू स्थित झामुमो के आवासीय कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सांसद विजय हांसदा, विधायक हेमलाल मुर्मू एवं झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद एवं विधायक सहित दर्जनों की संख्या में मौजूद कार्यकताओं ने स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सांसद विजय हांसदा ने कहा कि झारखंड आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहे। पूरे राज्य में उनकी पहचान एक सर्वमान्य नेता के रूप में थी। विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि दुर्गा सोरेन हमेशा गरीबों, जरूरतमंदों तथा समाज के सभी वर्ग के लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए उनके साथ खड़े रहते थे। उनकी नेतृत्व करने की क्षमता अद्भुत थी। वे युवाओं के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत थे। उनके असामयिक निधन से झारखंड में जो शून्यता आई है, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती है। लेकिन उनके किए गए कार्य हमेशा याद रखे जाएंगे। वहीं झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि जिस तरह से दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ मिलकर दुर्गा सोरेन ने कदम से कदम मिलाकर अलग झारखंड राज्य की लड़ाई लड़ी और पूरे आंदोलन को सफल नेतृत्व प्रदान कर अलग झारखंड राज्य का सपना पूरा किया, उससे सभी को सीख लेने की जरुरत है।

तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी पिकअप को मारी टक्कर, चार घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत विचना के पास सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप वाहन को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी बीच से दो हिस्सों में बंट गई। दुर्घटना में पिकअप पर सवार चार लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए खूँटी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि घायल सभी व्यक्ति ग्राम कुंजला के निवासी हैं।

मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन कुंजला गांव निवासी प्रेम महतो की बताई जा रही है। बताया गया कि चालक सड़क किनारे वाहन खड़ा कर खाना खाने गया था, तभी तेज गति से आए ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ट्रक चालक और खलासी नशे की हालत में थे। घटना की सूचना मिलते ही मुरहू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए ट्रक चालक, खलासी तथा ट्रक को थाना ले गई। इधर घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष कांसीनाथ महतो सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया ।

विधिक जागरूकता शिविर की तैयारी को लेकर बैठक

बुंडू। आगामी 25 मई को आयोजित होने वाले विधिक जागरूकता शिविर की तैयारी को लेकर गुरुवार को बुंडू स्तिथ सूर्य मंदिर के समीप बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता अभियान को सफल बनाने एवं गरीब, शोषित व पीड़ित लोगों तक सहायता पहुंचाने पर चर्चा की गई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राज्य प्रभारी राजेश कुमार सिंह एवं रांची जिला प्रभारी विकेश्वर महतो उपस्थित रहे। राज्य प्रभारी के निर्देशानुसार विभिन्न पंचायतों में जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सुमानडीह पंचायत की जिम्मेदारी बुंडू प्रखंड अध्यक्ष चौधरी महतो को दी गई, जबकि हुमटा पंचायत में प्रखंड उपाध्यक्ष रोहित मुंडा, तुंजू पंचायत में प्रखंड उपाध्यक्ष जगरनाथ मुंडा, चुरगी, बारूहातु व तैमारा क्षेत्र में प्रखंड महासचिव बाघराय मुंडा तथा रेलाडीह पंचायत में प्रखंड सचिव रामसिंह महतो को जिम्मेदारी दी गई।

सांसद व विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

लिट्टीपाड़ा। सांसद विजय हांसदा व विधायक हेमलाल मुर्मू ने गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत एक दर्जन से ज्यादा सड़क का शिलान्यास नारियल फोड़ कर व फीता काटकर किया। सर्व प्रथम आरईओ रोड से लब्धाघाटी पहाड़िया टोला दो किमी सड़क का निर्माण एक करोड़ 96 लाख की राशि से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। जिसका निर्माण कार्य एबीसी कंट्रक्शन के द्वारा किया जाएगा। वही इसी संवेदक के द्वारा बड़ा पोखरिया आरईओ रोड से मखनी पहाड़ तक साढ़े तीन किमी सड़क का निर्माण तीन करोड़ 74 लाख की लागत से की जाएगी। जबकि करमाटार पंचायत अंतर्गत करमातार से कुंभर हांसदा के घर तक, करमाटार पंचायत भवन से करमाटार पहाड़िया टोला तक, बड़ा कचना से नगरा टोला तक कुल ढाई किमी सड़क का निर्माण एचएनसी कंपनी के द्वारा किया जाएगा।

लावारिस भैंसों ने उजाड़ी किसान की फसल, 10 दिनों से देखभाल में जुटा परिवार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड की सुनगी पंचायत अंतर्गत पलसा गांव में पिछले 10 दिनों से छह लावारिस भैंसों के घूमने से ग्रामीण परेशान हैं। इन भैंसों ने गांव के चौकिदार मानसिद तोपनो की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिससे किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

फसल को बचाने और मवेशियों से हो रहे नुकसान को रोकने के लिए किसान मानसिद तोपनो ने सभी छह भैंसों को अपने घर में बांध कर रखा है। लेकिन अब उनके सामने इन मवेशियों के चारा-पानी और देखभाल की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

ग्रामीणों के अनुसार अब तक भैंसों के असली मालिक का कोई पता नहीं चल पाया है। किसान मानसिद तोपनो और उनका परिवार लगातार आसपास के गांवों में जानकारी जुटाकर मालिक की तलाश कर रहे हैं, ताकि भैंसों को सुरक्षित वापस सौंपा जा सके।

इधर गांव के लोगों ने प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों से मामले में तत्काल पहल करने की मांग की है। ग्रामीणों ने किसान को फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने तथा भैंसों के मालिक का पता लगाने की मांग उठाई है।

आईसीएआई के सीए विद्यार्थियों ने किया एम्बिशन इंटरप्राइजेज लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण

बिभा संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा के सीए विद्यार्थियों द्वारा आज टाटीसिलवे, रांची स्थित एम्बिशन इंटरप्राइजेज लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया गया। इस इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन रांची शाखा के सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए हरेन्दर भारती एवं कार्यकारिणी सदस्य सीए भुवनेश कुमार ठाकुर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एम्बिशन इंटरप्राइजेज लिमिटेड के डायरेक्टर सीए आदित्य मस्कारा भी उपस्थित थे। इस इंडस्ट्री विजिट में कुल 25 सीए विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इंडस्ट्रियल विजिट के दौरान विद्यार्थियों को फर्नीचर निर्माण प्रक्रिया, कच्चे माल के प्रबंधन, मशीनों के संचालन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं उत्पादन प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। विद्यार्थियों ने उद्योग में अकाउंटिंग, कॉस्ट मैनेजमेंट, इन्वेंट्री कंट्रोल तथा व्यवसायिक संचालन के व्यावहारिक पहलुओं को नजदीक से समझा। इस भ्रमण से विद्यार्थियों को औद्योगिक कार्यप्रणाली एवं कॉर्पोरेट वातावरण का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हुआ, जो उनके पेशेवर ज्ञान एवं कौशल विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। साथ ही विद्यार्थियों ने उद्योग में आधुनिक तकनीकों एवं प्रबंधन प्रणाली के उपयोग को भी प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा।

इस अवसर पर सीए हरेन्दर भारती ने कहा कि इस प्रकार के इंडस्ट्रियल विजिट से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे वे उद्योगों की वास्तविक कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि आई सी ए आई रांची शाखा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक एवं औद्योगिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

कांग्रेसियों ने मनायी राजीव गांधी की पुण्यतिथि, मरीजों के बीच बांटे फल

बिभा संवाददाता

पाकुड़। भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने किया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक और दूरसंचार के क्षेत्र में नई दिशा देने का कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सदर अस्पताल सोनाजोड़ी पहुंचकर मरीजों के बीच फल वितरण किया। इस दौरान सभी ने सेवा भाव के साथ मरीजों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना की। श्रद्धांजलि सभा एवं फल वितरण के मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मंसारूल हक, शाहीन परवेज, सेमिनुल इस्लाम, शाहनाज बेगम, मो. मुख्तार हुसैन, कृष्णा यादव के अलाने अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस ने मनाई राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि

महेशपुर। प्रखंड कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष कलीमुद्दीन शेख के आवासीय कार्यालय बिरकिट्टी में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड अध्यक्ष कलीमुद्दीन शेख ने राजीव गांधी के जीवन, उनके पंचायती राज, सूचना क्रांति और युवाओं के सशक्तिकरण में योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डाला इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आरनेष्ट हांसदा, जिला सचिव मो. वाहिदुल इस्लाम, प्रखंड महासचिव मोजाफ्फर शेख, प्रखंड महिला अध्यक्षा कल्पना भूंईमाली, होपना मुर्मू, हैदर अली मौल्ला, सेटू शेख, नाजिमुल हक, सानुवार शेख, सुदाम माल, आजिजूल शेख, वासीम आकरम, मीडिया प्रभारी शैलेन मुर्मू मौजूद थे।

अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय खोलने की मांग उलगुलान मोर्चा ने की

बिभा संवाददाता

बुंडू। उलगुलान मोर्चा के अध्यक्ष मुकेश मुंडा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से मुलाकात कर अनुसूचित जाति के बच्चों, विशेषकर बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालय खोलने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी अनुसूचित जाति समाज के बच्चों के लिए पर्याप्त आवासीय विद्यालयों की व्यवस्था नहीं हो सकी है, जिससे ग्रामीण एवं गरीब परिवारों के छात्र-छात्राओं को शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में पुरंदर कुमार, नन्द कुमार राम, हीरा रजक, अजय सेठ, लक्ष्मण मुंडा एवं जगप्रसाद रजक सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उलगुलान मोर्चा अध्यक्ष मुकेश मुंडा ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का सबसे मजबूत माध्यम है, इसलिए सरकार को वंचित वर्ग के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ठोस पहल करनी चाहिए। वहीं कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

शिक्षा समाज की चेतना और राष्ट्र की प्रगति का आधार है : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की चेतना एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। विश्वविद्यालय विचार, ज्ञान, अनुशासन, शोध और चरित्र निर्माण के केंद्र होते हैं। किसी भी राज्य का भविष्य उसके शिक्षण संस्थानों में ही आकार लेता है।

राज्यपाल गुरुवार को रांची के चाणक्य बीएनआर होटल में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मेलन झारखण्ड की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश में स्कूली शिक्षा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य का सकल नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है तथा उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट की समस्या भी गंभीर है। गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण, समयबद्ध परीक्षाओं एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अभाव में बड़ी संख्या में विद्यार्थी राज्य से बाहर जाने को विवश होते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति हम सभी के लिए आत्ममंथन का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि अब समय केवल समस्याओं की चर्चा करने का नहीं, बल्कि समाधान और परिणाम के साथ आगे बढ़ने का है। विश्वविद्यालयों की पहचान केवल भवनों एवं परिसरों से नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, शोध, नवाचार एवं उपलब्धियों से होती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन झारखण्ड के विद्यार्थी यह महसूस करेंगे कि उसे बेहतर शिक्षा के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, उस दिन हम कह सकेंगे कि हमारा प्रयास वास्तव में सफल हुआ है।

राज्यपाल गंगवार ने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सर्च कमिटी के माध्यम से की गई है और उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि अकेडमिक लीडर के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को नई गति एवं दिशा देने के उद्देश्य से ह्यझारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 2026ह्ल लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थानों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय पदाधिकारियों से नए अधिनियम का गंभीरता से अध्ययन करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में अकेडमिक कैलेंडर का दृढ़ता से पालन सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि नियमित कक्षाएं संचालित हों, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण हो तथा परीक्षाएं एवं परिणाम निर्धारित समय-सीमा में प्रकाशित किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी प्रकार की प्रशासनिक शिथिलता का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने शोध, नवाचार, कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र न बनें, बल्कि नवाचार एवं कौशल विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित हों।

नए आपराधिक कानूनों को लेकर डीजीपी ने की समीक्षा बैठक, पुलिसिंग को मजबूत बनाने पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची : महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक तदाशा मिश्र की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार से सभी जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नये अपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुसंधान की गुणवता तथा तकनीक आधारित पुलिसिंग को मजबूत करने के संबंध में व्यापक रूप से समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने प्रत्येक जिले में सी०सी०टी०एन०एस० की उपलब्धता एवं उनकी कार्य प्रगति एवं सी०सी०टी०एन०एस० में लंबित डाटा इंट्री कार्यों को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया साथ ही अनुसंधान कार्यों के लिए आवश्यक मोबाईल फोन की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की तथा अनुसंधान पदाधिकारियों को डिजिटल साक्ष्यों के संग्रहण एवं ई-साक्ष्य पोर्टल पर साक्ष्यों के समयबद्ध एवं शत प्रतिशत अपलोडिंग करने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त सभी जिलों को कांडो का अनुसंधान 60 से 90 दिनों के अन्दर पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि समयबद्ध अनुसंधान से न्यायिक प्रक्रिया मजबूत होगी तथा आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और अधिक बढ़ेगा। इसके लिए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन एवं अनुसंधान की गुणवता बनाये रखने पर बल दिया गया। इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद के द्वारा उक्त संदर्भ में एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। अनुसंधान के मद्देनजर सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया कि नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन हेतु पुलिसिंग व्यवस्था को अधिक तकनीक सक्षम, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए ताकि झारखण्ड पुलिस आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर जनता को त्वरित एवं बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध करा सके।

इस समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड के अतिरिक्त श्रीमती ए० विजयालक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, झारखण्ड, श्री नरेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, झारखण्ड, श्रीमती संध्यारानी मेहता, पुलिस उप-महानिरीक्षक, बजट, झारखण्ड एवं अन्य पदाधिकारी गण भौतिक रूप से तथा वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक / वरीय पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक, झारखण्ड उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद उपायुक्त ने लिया त्वरित संज्ञान

देवघर(बिभा)। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सारवां प्रखंड स्थित सारवां प्रखंड अंतर्गत आदर्श प्लस टू विद्यालय में फिल्म एवं गाने के प्रसारण मामले में कड़ा संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, स्कूल परिसर के भीतर मनोरंजन संबंधी वीडियो वायरल होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने संबंधित कर्मियों पर त्वरित कार्रवाई की। मामले में विद्यालय के स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक किसलय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें विभागीय कार्रवाई के अधीन रखा गया है। वहीं विद्यालय में अनुशासनहीनता, लापरवाही एवं नियंत्रण की कमी को लेकर प्रभारी प्रधानाध्यापक सह स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक अवधेश कुमार ठाकुर को प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद से मुक्त कर दिया गया है। उनके विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई शुरू करने की अनुशंसा की गई है। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के सभी सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि जिला, प्रखंड अथवा पंचायत स्तर के किसी भी सरकारी संस्थान में अनुशासनहीनता और कार्य के प्रति लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ सीधे कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में भाजपा जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू गंभीर रूप से घायल

चाईबासा(बिभा) : भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम सिंहभूम जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू एक भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक गीता बालमुचू अपने चार पहिया वाहन से झींकपानी की ओर से चाईबासा की ओर आ रही थीं। इसी दौरान सिंहपोखरिया के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक इनोवा गाड़ी को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया। तेज गति होने के कारण गीता बालमुचू की गाड़ी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि गीता बालमुचू के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और साथ मौजूद लोगों की मदद से उन्हें आनन-फानन में चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार गीता बालमुचू के सिर में गंभीर चोट लगी है। फिलहाल उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और सीटी स्कैन रिपोर्ट आने के बाद ही अंदरूनी चोट की सही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

चतरा से 100 साल पुरानी अष्टधातु मूर्ति के साथ युवक गिरफ्तार

चतरा(बिभा)। मूर्ति तस्करी मामले में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इटखोरी थाना पुलिस ने करीब 100 वर्ष पुरानी अष्टधातु की एक बेशकीमती मूर्ति के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। बरामद मूर्ति की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर इटखोरी थाना कांड संख्या 65/2026 के तहत कार्रवाई की गई ही। एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक प्राचीन धार्मिक मूर्ति की खरीद-बिक्री की तैयारी चल रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान संदीप सिंह के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक प्राचीन अष्टधातु मूर्ति बरामद की गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपित नशे का आदी था और मूर्ति को चोरी कर दिल्ली के करोलबाग दिल्ली में अच्छे दाम पर बेचने की योजना बना रहा था। बरामद मूर्ति काफी प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व की प्रतीत हो रही है। मामले में आरोपित से पूछताछ की जा रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार सिंह सहित अन्य शामिल थे।

एसीबी ने बिजली विभाग के कर्मी को पांच हजार घुस लेते किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कोडरमा। बिजली विभाग के एक कर्मी को हजारीबाग भष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने पांच हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर्मी की पहचान सुनील कुमार के रूप में की गई है, जो झुमरीतिलैया स्थित विद्युत कार्यालय में बतौर लाइनमैन कार्यरत है।

जानकारी देते हुए शिकायतकर्ता डोमचांच के सपही निवासी राजू यादव ने बताया कि डोमचांच प्रखंड अंतर्गत नीरू पहाड़ी के

समीप उनका एक ऐश ब्रिक का प्लांट था, जिसको लेकर उन्होंने कुछ वर्षों पहले एक कमर्शियल बिजली का कनेक्शन लिया हुआ था।

वही प्लांट के घाटे में जाने के कारण इन्होंने अपना प्लांट 2025 में बंद कर दिया और इसके पश्चात वे कनेक्शन कटवाने सहित कनेक्शन के समय जमा किए गए सिक्योरिटी मनी वापस लेने के लिए झुमरीतिलैया स्थित बिजली कार्यालय पहुंचे।

उन्हें सिक्योरिटी मनी वापस लेने के लिए कई बार चक्कर लगाने पड़े। इस दौरान उनकी मुलाकात कार्यालय में कार्यरत लाइनमैन सुनील से हुई। उन्होंने सुनील से सारी बातें बताई।

सुनील द्वारा कनेक्शन रद्द करने तथा सिक्योरिटी मनी वापस करने के एवज में उनसे 15 हजार रुपए की मांग की गई। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग से की। जिसके बाद एसीबी की टीम गुरुवार को झुमरीतिलैया स्थित बिजली कार्यालय के पास पहुंची और सुनील को पांच हजार रुपए घुस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके पश्चात एसीबी की टीम सुनील को अपने साथ हजारीबाग ले गई।

उपायुक्त ने किया ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

चतरा। जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं विकास को लेकर उपायुक्त रवि आनंद ने गुरुवार को सदर अस्पताल के समीप स्थित फांसी तालाब का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वर्तमान स्थिति एवं संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बभने स्थित ब्रिटिशकालीन समाधि स्थल का भी भ्रमण कर वहां की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि जिले के ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां जिले के गौरवशाली इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत से अवगत हो सकें।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को फांसी तालाब एवं ब्रिटिशकालीन समाधि स्थल का समुचित सौंदर्यीकरण कराने, साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने का निर्देश दिया। साथ ही इन स्थलों की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए उन्हें आकर्षक एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने पर विशेष बल दिया। मौके पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद विनीता कुमारी सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार बने वरिष्ठ कमांडेंट, आसनसोल स्थानांतरण

बिभा संवाददाता

रांची : रांची मंडल के लिए यह गर्व और सम्मान का विषय है कि रेलवे सुरक्षा बल के कर्मठ, अनुशासित एवं कुशल अधिकारी श्री पवन कुमार को पदोन्नति प्राप्त हुई है। अब वे वरिष्ठ कमांडेंट के पद पर पदस्थापित किए गए हैं तथा उनका स्थानांतरण आसनसोल में किया गया है।

पवन कुमार ने रांची मंडल में अपने कार्यकाल के दौरान अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, दृढ़ प्रशासनिक कौशल एवं अनुकरणीय कार्यशैली का परिचय दिया। उनके मार्गदर्शन एवं स्पष्ट निदेशों के कारण रांची मंडल की रेलवे सुरक्षा बल टीम ने लगातार उत्कृष्ट कार्य करते हुए सुरक्षा, यात्री सेवा एवं अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।

उनके नेतृत्व में रेलवे परिसरों, ट्रेनों एवं यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि उनके कार्यकाल के दौरान रांची मंडल में किसी भी प्रकार की बड़ी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। यह उनकी सजगता, प्रभावी निगरानी व्यवस्था तथा टीम के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

पवन कुमार सदैव अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहे। उन्होंने न केवल अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को बढ़ावा दिया, बल्कि जवानों का मनोबल बढ़ाने, आधुनिक सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने तथा आम यात्रियों में सुरक्षा के प्रति विश्वास कायम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रांची मंडल के अधिकारीगण, रेलवे सुरक्षा बल जवानों एवं कर्मचारियों ने उन्हें पदोन्नति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने नए दायित्व स्थल आसनसोल में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते हुए संगठन का गौरव बढ़ाएंगे। रांची मंडल परिवार उनकी उज्ज्वल भविष्य यात्रा, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर सफलता की कामना करता है। श्री पवन कुमार का कार्यकाल रांची मंडल के इतिहास में सदैव प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहेगा।

कारोबारी लव भाटिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

रांची। राजधानी रांची के बड़े कारोबारी लव भाटिया उर्फ अभिमन्यु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। लव भाटिया गुरुवार की शाम को लालपुर थाना क्षेत्र में बेसुध अवस्था में अपने कावेरीरेस्त्रां में पाए गए। इसके बाद उन्हें जल्दबाजी में लालपुर इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने लव भाटिया को मृत घोषित कर दिया।

आसनसोल मंडल द्वारा पानागढ़ स्टेशन पर स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं यात्री संवाद कार्यक्रम का आयोजन

बिहान भारत

आसनसोलः पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा देखें, सूचित करें, हम तुरंत कार्रवाई करेंगे विषय के अंतर्गत 21 मई 2026 को पानागढ़ रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चरण-क्कका आयोजन किया गया। यह अभियान 16 मई से 30 मई 2026 तक मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी पहल के माध्यम से स्वच्छता संबंधी शिकायतों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत पानागढ़ स्टेशन पर व्यापक यात्री संवाद एवं

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मंडल के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, स्टेशन कर्मचारियों तथा हाउसकीपिंग कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा उन्हें स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं स्वच्छतापूर्ण बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, परिसंचरण क्षेत्र तथा स्टेशन परिसर के अन्य स्थानों पर यात्रियों से संवाद कर आसनसोल मंडल द्वारा शुरू की गई 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी पहल की जानकारी दी। यात्रियों को स्टेशन परिसर में कूड़ा न फैलाने, थूकने से बचने तथा उपलब्ध डस्टबिन का उचित उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, फुट ओवर ब्रिज, ट्रैक एवं परिसंचरण क्षेत्रों की सफाई संबंधी शिकायतें रेल मदद ऐप के माध्यम से अथवा आसनसोल मंडल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल @DrmAsansol को #ERChallenge हैशटैग के साथ टैग कर दर्ज कराई जा सकती हैं।

इस पहल के अंतर्गत स्वच्छता संबंधी शिकायतों का परिचालनिक परिस्थितियों के अनुरूप 30 मिनट के भीतर निस्तारण किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को त्वरित सेवा एवं बेहतर संतुष्टि सुनिश्चित हो रही है।

इस जागरूकता अभियान को यात्रियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। यात्रियों ने स्वच्छता प्रबंधन एवं स्टेशन रखरखाव के प्रति आसनसोल मंडल के यात्री हितैषी एवं त्वरित कार्यप्रणाली की सराहना की।

आसनसोल मंडल सभी यात्रियों एवं रेल उपयोगकताओं से अपील करता है कि वे स्वच्छता जागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग दें, स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखें, कूड़ा न फैलाएं एवं थूकने से बचें तथा रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग कर मंडल के रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं यात्री अनुकूल बनाए रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मारवाड़ी युवा मंच ने किया तीसरे स्थायी प्याऊ का उद्घाटन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा की ओर से भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरूवार को मोरहाबादी स्थित टैगोर हिल लेन में तीसरे स्थायी प्याऊ का उद्घाटन किया गया। हनुमान मंदिर, हरिहर सिंह रोड के सामने स्थापित इस प्याऊ को समाज को समर्पित किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए शाखा के अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने कहा कि मंच लगातार जनसेवा से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि रांची में अब तक 11 स्थायी प्याऊ लगाए जा चुके हैं। यह नया प्याऊ सोनीत अग्रवाल के सहयोग से स्थापित किया गया है। वहीं मौके पर शाखा सचिव मुकेश शर्मा ने कहा कि राहगीर, श्रद्धालु और आम नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए भविष्य में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी वाटर कूलर एवं फ्रीजर लगाए जाएंगे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com